सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" नदी रास्ते में आने वाले हर पत्थर से लड़ती नहीं
बल्कि रास्ता बदलकर आगे बढ़ जाती है...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–261 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

नई दृष्टिबिंदु DMF पड़ताल

लगातार


खनिज प्रभावितों के नाम पर 13,101 करोड़ का फंड, 44% गांव अब भी खाली हाथ – कैग ऑडिट में DMF की 9 बड़ी खामियां उजागर

खनिज प्रभावितों के हक का 793 करोड़ कहां गया? दुर्ग संभाग के तीन जिलों में CAG ने खोली पोल

बस्तर संभाग में 1623 करोड़ का हिसाब गड़बड़ाया सुकमा में गांव तय नहीं, फिर भी 333 करोड़ खर्च

कल पांचवा किश्त में पढ़िए

सरगुजा संभाग – कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा।

बिलासपुर संभाग में 3,441 करोड़ का फंड 310 सीधे प्रभावित गांव आज भी बाहर

8 .98 करोड़ की सड़क मौके पर क्षतिग्रस्त , कोरबा में 12 .79 करोड़ की मल्टीलेवल पार्किंग अधूरी-अनुपयोगी , 41 .80 करोड़ निष्फल व्यय

आलोक तिवारी / बिलासपुर

जिला खनिज न्यास (DMF) फंड पर CAG की 2015–16 से 2023–24 की ऑडिट रिपोर्ट की हमारी विशेष श्रृंखला की तीसरी किश्त बिलासपुर संभाग पर केंद्रित है। चार जिलों – बिलासपुर, कोरबा, मुंगेली और रायगढ़ में कुल 3,441.15 करोड़ उपलब्ध थे, 2,837.41 करोड़ खर्च हुए, फिर भी 794 चिन्हित सीधे प्रभावित गांवों में से 310 गांव (39%) तक DMF की एक भी गतिविधि नहीं पहुंची।

चार जिलों की तस्वीर - एक नजर में (CAG के अनुसार)

- **बिलासपुर:** 139 प्रभावित गांव, 48 वंचित 653 .92 करोड़ उपलब्ध, 362 .73 करोड़ खर्च
- **कोरबा:** 334 प्रभावित गांव, 86 वंचित 2,203 .93 करोड़ उपलब्ध, 2,009 .17 करोड़ खर्च (सबसे बड़ा जिला)
- **मुंगेली:** 238 प्रभावित गांव, 135 वंचित (56% वंचित – संभाग में सबसे ज्यादा) 121 .69 करोड़ उपलब्ध, 105 .48 करोड़ खर्च
- **रायगढ़:** 83 प्रभावित गांव, 41 वंचित 461 .61 करोड़ उपलब्ध, 360 .03 करोड़ खर्च

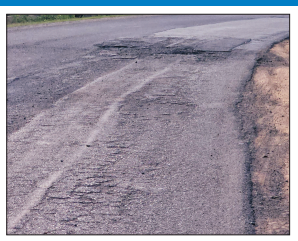

प्राथमिकता से बाहर 10.74 करोड़

उआऋके अनुसार 12 जिलों में प्राथमिकता से बाहर 80 कार्यों पर ?30.73 करोड़ जारी हुए, जिनमें से अकेले बिलासपुर संभाग में ?10.74 करोड़ शामिल हैं।
– मुंगेली: जिला पंचायत भवन में सौर संयंत्र, कंप्यूटर, फोटोकॉपी मशीन, बाउंड्रीवाल, सजावट।
– रायगढ़: कलेक्टर कार्यालय के रैंप–लिफ्ट और डक्ब को ?5.50 करोड़ अनुदान+ ?96.21 लाख विद्युतीकरण।
– कोरबा और रायगढ़ में 1028 काम रद्द: स्वीकृति के बाद रद्द हुए कुल कार्यों का 59% इन्हीं दो जिलों से – कोरबा में 752 और रायगढ़ में 276 काम रद्द।

कोरबा – सबसे बड़ा फंड, सबसे बड़े सवाल

कोरबा में 2,203 करोड़ में से 2,009 करोड़ खर्च होने के बावजूद –

– 12.79 करोड़ की पार्किंग अधूरी: मल्टीलेवल पार्किंग के लिए 17 .09 करोड़ स्वीकृत, 12 .79 करोड़ खर्च, फिर भी अधूरी। साइट विवाद के बाद इसे 60 बेड अस्पताल और फिर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने के प्रस्ताव आते रहे, लेकिन फरवरी 2024 तक ढांचा अनुपयोगी पड़ा था। कन्वेंशन सेंटर पर भी 13 .72 करोड़ खर्च।

– बायोगैस प्लांट बंद, कला केंद्र में चोरी: 51 .02 लाख का जैव गैस संयंत्र तकनीकी खराबी से बंद मिला। 3 .01 करोड़ का कला एवं संस्कृति केंद्र चोरी-तोड़फोड़ के बाद शिक्षा विभाग ने DMF को वापस सौंप दिया, उपयोग में नहीं।

CAG ने ऐसे अधूरे/अनुपयोगी प्रोजेक्ट्स पर कुल 41 .80 करोड़ के निष्फल व्यय की बात कही है।

रिकॉर्ड और स्टाफ - दोनों में कमी

CAG ने पाया – 12 जिलों में उचित रजिस्टर–लेजर नहीं, कोरबा में रिकॉर्ड बिखरी फाइलों में। सामाजिक अंकेक्षण स्थापना से एक बार भी नहीं हुआ।
स्टाफ की कमी – बिलासपुर 75% पद खाली, रायगढ़ 70%, कोरबा 36%, मुंगेली 33%।

प्रभावित क्षेत्र तय होने से पहले 119.22 करोड़ बांट दिए

CAG ने दर्ज किया है कि बिलासपुर में प्रभावित क्षेत्र की सूची जारी होने में 19 महीने और मुंगेली में 31 महीने लगे। पहचान से पहले ही –बिलासपुर में 93.51 करोड़ सहित चारों जिलों में कुल 119.22 करोड़ का आवंटन कर दिया गया।

बिलासपुर में दो बड़े मामलों पर CAG की आपत्ति

1. 2.13 करोड़ दूसरे काम में: साईंस कॉलेज मैदान के विकास के लिए स्वीकृत 2.13 करोड़ को नगर निगम ने सामुदायिक भवन, शेड, प्लेटफॉर्म जैसे अन्य कार्यों में खर्च कर दिया। गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी नहीं ली गई और राशि वापस भी नहीं की गई।

2. 8.98 करोड़ की सड़क क्षतिग्रस्त: उसलापुर फ्लाईओवर से फोर्ड शोरूम तक सड़क के लिए 8.98 करोड़ स्वीकृत, बाद में बढ़ाकर 11.67 करोड़ किया गया। CAG की संयुक्त भौतिक जांच में सड़क क्षतिग्रस्त मिली। गणेश वाटिका के पास 1 KM से ज्यादा हिस्से में सिकुड़न, गलत ढाल और कैम्बर नहीं मिला।

CAG का निष्कर्ष : रिपोर्ट सीधे भ्रष्टाचार नहीं कहती, लेकिन योजना, निगरानी, पारदर्शिता और रिकॉर्ड व्यवस्था में प्रणालीगत विफलता की ओर इशारा करती है। 3,441 करोड़ उपलब्ध होने के बाद भी 310 प्रभावित गांवों का छूटना यही सवाल खड़ा करता है - फंड की पहली प्राथमिकता क्या थी?

विपक्ष का तीसरे दिन भी सीईसी के खिलाफ हल्ला बोल, बेंगलुरु में CJP का प्रदर्शन



नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-बेंगलुरु

राजधानी दिल्ली से लेकर बेंगलुरु तक सियासी पारा हाई है। एक तरफ INDIA गठबंधन के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगातार तीसरे दिन सड़क पर हैं, तो दूसरी तरफ GST काउंसिल और वडकपेमेंट को लेकर बड़े फैसले चर्चा में हैं। वहीं फिल्म जगत से बुरी खबर है, दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन हो गया है।

CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी

विपक्ष का प्रदर्शन अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। दो दिन तक निर्वाचन सदन मार्च और जंतर–मंतर पर धरने के बाद तीसरे दिन गुरुवार को विपक्ष ने रणनीति बदली और महात्मा गांधी की समाधि राजघाट को चुना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत INDIA ब्लॉक के सांसद बसों में सवार होकर राजघाट पहुंचे और बापू को श्रद्धांजलि देकर शांतिपूर्ण धरना दिया। विपक्ष का आरोप है कि SIR प्रक्रिया में वोटर लिस्ट से नाम काटने-जोड़ने में अनियमितता हुई है। विपक्ष CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर अड़ा है। 2251

राहुल गांधी ने कहा है कि जब तक CEC इस्तीफा नहीं देते, उनका सत्याग्रह जारी रहेगा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा – "हम यहां गांधी जी से प्रार्थना करने आए हैं कि ज्ञानेश कुमार को सद्बुद्धि आए और वे इस्तीफा दें।" वहीं BJP ने पलटवार किया है। BJP प्रवक्ता ने कहा कि SIR का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, ऐसे में सड़क पर प्रदर्शन कर संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।

विपक्षी एकता की जमीनी हकीकत - लंच डिप्लोमेसी

एकजुटता दिखाने की कोशिश के बावजूद गठबंधन में दरार की खबरें भी हैं। सूत्रों के मुताबिक नाराज दलों को मनाने के लिए खरगे लगातार दूसरे दिन कनॉट प्लेस के एक रेस्टोरेंट में INDIA ब्लॉक के नेताओं के लिए लंच मीटिंग कर रहे हैं। गुरुवार को SP, शिवसेना–UBT और NCP-SCP जो बुधवार को नहीं आई थीं, लंच में शामिल हुई।

वहीं DMK और AAP जैसे दल दिल्ली के मुख्य प्रदर्शन से दूरी बनाए हुए हैं। AAP क्षेत्रीय कारणों से कांग्रेस के साथ मंच साझा करने से बच रही है।

बेंगलुरु में CJP का प्रदर्शन, ध्रुव राठी और प्रकाश राज शामिल

दिल्ली के अलावा बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में भी प्रदर्शन हुआ। यहां खुद को 'कॉकरोच जनता पार्टी' कहने वाले समूह ने बड़ा विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें यूट्यूबर ध्रुव राठी और अभिनेता प्रकाश राज शामिल हुए। वक्ताओं ने CEC के इस्तीफे के साथ-साथ SIR प्रक्रिया पर रोक और वोटर लिस्ट की स्वतंत्र जांच की मांग की। ध्रुव राठी ने मंच से कहा कि यह लड़ाई किसी पार्टी के लिए नहीं, बल्कि वोट के अधिकार और चुनावी पारदर्शिता के लिए है।

दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। CEC ज्ञानेश कुमार की + सुरक्षा में अतिरिक्त रिजर्व जवान तैनात किए गए हैं।

अन्य बड़ी खबरें

UPI चार्ज टलाः दो हजार रुपये से अधिक के UPI ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने के प्रस्ताव को फिलहाल फेस्टिव सीजन को देखते हुए 1 जनवरी तक टालने की चर्चा है। आधिकारिक घोषणा बाकी है।

GST काउंसिल के फैसलेः GST काउंसिल ने व्यापारियों को राहत दी है। GST अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्ति खत्म कर दी गई है, मुकदमा चलाने की सीमा बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दी गई है और सामान्य जुमार्ना 25,000 से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है।

नाना पाटेकर को अंतिम विदाई

नाना पाटेकर का निधन: फिल्म जगत के लिए बेहद दुखद खबर है। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 5:20 बजे गोवा में कार्डियक अरेस्ट से 75 साल की उम्र में निधन हो गया। मणिपाल अस्पताल के डॉक्टरों ने 45 मिनट तक उढफदेकर बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। मामले में मेडिको–लीगल केस दर्ज कर पोस्टमार्टम किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी समेत पूरे फिल्म जगत ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उनका अंतिम संस्कार पुणे स्थित फार्महाउस पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

सूखे नशे पर रायपुर कमिश्नरेट का बड़ा प्रहार, एक क्विंटल 27 किलो गांजा के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दो बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 क्विंटल 27 किलो गांजा के साथ 2 अंतर्राज्यीय तस्करों समेत कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें विधि के साथ संघर्षरत एक बालक भी शामिल है। यह कार्रवाई एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, थाना गंज और थाना आमानाका पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला, डीसीपी मध्य तारकेश्वर पटेल और डीसीपी पश्चिम रॉबिनसन गुरिया की सतत मॉनिटरिंग में यह सफलता मिली है।

पहला मामलाः फाफाडीह चौक पर 82 किलो गांजा पकड़ा

07 अक्टूबर 2026 को सूचना मिली कि पचपेड़ी नाका से एक ऑटो में तीन व्यक्ति गांजा लेकर रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे हैं। टीम ने फाफाडीह चौक स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास ऑटो को रोका। तलाशी में ट्रॉली बैग में 82.51 किलो गांजा मिला। आरोपियों की पहचान मुकुंद शर्मा (27) और गोपाल वर्मा उर्फ गोपी (28) दोनों मूलतः राजस्थान के निवासी हाल जगदलपुर, और संतोष साहू (34) निवासी भाटापारा, बलौदाबाजार के रूप में हुई। इनके पास से 3 मोबाइल भी जब्त किए गए। जब्त माल की कीमत करीब 41.25 लाख रुपये है। थाना गंज में अपराध क्रमांक 303/26 धारा 20बी NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया।

दूसरा मामलाः इस्कॉन मंदिर मोड़ पर अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

दूसरी कार्रवाई 08 अक्टूबर 2026 को थाना आमानाका क्षेत्र के टाटीबंध स्थित इस्कॉन टेंपल मोड़ के पास की गई। मुखबिर की सूचना पर टीम ने दो युवकों और एक बालक को पकड़ा। बैग की तलाशी में 44.799 किलो गांजा मिला। गिरफ्तार आरोपियों में कान्हू डकुआ (36) निवासी खोरदा, उड़ीसा और सुमित भट्टाचार्य (36) निवासी हावड़ा, पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इनके पास से करीब 22.39 लाख रुपये का गांजा जब्त हुआ। थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 338/26 धारा 20बी NDPS एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

64 लाख का माल जब्त, End-to-End जांच होगी : दोनों मामलों में कुल 1 क्विंटल 27 किलो गांजा और 3 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं, जिसकी कुल कीमत लगभग 64 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस अब फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर सप्लाई चेन के अन्य आरोपियों की तलाश कर End-to-End कार्रवाई करेगी।

उल्लेखनीय है कि रायपुर कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अब तक NDPS एक्ट के 85 प्रकरणों में 190 आरोपियों को गिरफ्तार कर 6 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक का नशीला पदार्थ और सामग्री जब्त की है।

जीएसटी काउंसिल के ऐतिहासिक फैसले : गिरफ्तारी पर रोक, 5 करोड़ से नीचे कोई आपराधिक कार्रवाई नहीं

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली



जीएसटी काउंसिल ने व्यापारियों और टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत देते हुए कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई बैठक में टैक्स सिस्टम की सख्ती कम कर Ease of Doing Business पर जोर दिया गया है।

1. अब सीधे गिरफ्तारी नहीं - जीएसटी कानून के तहत अधिकारियों को प्राप्त गिरफ्तारी की शक्ति को खत्म कर दिया गया है। अब सामान्य मामलों में टैक्सपेयर को सीधे गिरफ्तार नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने इसे व्यापारियों के मन से डर खत्म करने का कदम बताया है।

2.आपराधिक कार्रवाई की सीमा 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ - पहले 1 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स गड़बड़ी पर ही आपराधिक कार्रवाई शुरू हो जाती थी। अब यह लिमिट बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दी गई है। यानी 5 करोड़ से कम की गड़बड़ी पर आपराधिक केस नहीं चलेगा। इससे छोटे और मझोले व्यापारियों को सबसे बड़ी राहत मिलेगी।

3.पेनल्टी में 50% की कटौती - छोटी-मोटी त्रुटियों या नियमों के उल्लंघन पर लगने वाला सामान्य जुमार्ना 25,000 रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है।

4. रिफंड और ई-कॉमर्स व्यापारियों के लिए राहत - रिफंड दावों को निपटाने की समयसीमा 15 दिन से घटाकर 10 दिन कर दी गई है, ताकि व्यापारियों का पैसा जल्दी वापस मिल सके। छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं के लिए जीएसटी पंजीकरण और कंप्लायंस नियमों को भी सरल बनाया गया है।

5. ITC नियम और पारदर्शी - इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) से जुड़े दावों को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाया गया है, ताकि व्यापारियों को उनका क्रेडिट समय पर मिल सके। काउंसिल के इन फैसलों को टैक्स सुधार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। नए नियम जल्द ही नोटिफिकेशन के बाद लागू होंगे।



खास खबर

गोवर्धन पूजा पर सार्वजनिक अवकाश की मांग, सर्व समाज संगठन ने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को सौंपा ज्ञापन



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दीपावली के दूसरे दिन मनाए जाने वाले गोवर्धन पूजा पर्व पर पूरे छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन (अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ) एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को कलेक्टर दुर्ग के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है।

संगठन के प्रांताध्यक्ष भानु प्रताप यादव के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि दीपावली हिंदू समाज का प्रमुख पर्व है और उसके दूसरे दिन गोवर्धन पूजा छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। प्रदेश के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इसका विशेष महत्व है। परिवार और समाज के लोग धार्मिक अनुष्ठानों और लोक-परंपराओं में शामिल होते हैं।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पूर्व वर्षों में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गोवर्धन पूजा पर अवकाश घोषित किया जाता रहा है, जिससे कर्मचारी, शिक्षक, अधिकारी और आम नागरिक अपने परिवार के साथ पर्व मना पाते थे। भानु प्रताप यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सामाजिक और लोक-सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा अवसर है। अवकाश घोषित होने से सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा मिलेगा और कर्मचारी-शिक्षक-अधिकारी अपने धार्मिक व सामाजिक दायित्वों का निर्वहन सुगमता से कर सकेंगे।

संगठन ने मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल और मुख्य सचिव से शीघ्र निर्णय लेकर अधिसूचना जारी करने की मांग की है। ज्ञापन की प्रतिलिपि संभागायुक्त दुर्ग, सीईओ जिला पंचायत और जिला शिक्षा अधिकारी को भी भेजी गई है।

जब निर्वाचन आयोग पर सवाल उठें तो जवाब कौन देगा? - आर.एस. शर्मा



भिलाई। भारत के लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों को लेकर भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व विशेष आमंत्रित सदस्य आरएस शर्मा ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि चुनाव जितना महत्वपूर्ण है, उससे अधिक महत्वपूर्ण है चुनाव कराने वाली संस्था पर जनता का विश्वास। आर.एस. शर्मा ने अपने बयान में कहा कि भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि उन संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से चलता है जो चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाती हैं। जब प्रमुख विपक्षी पार्टियां मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए इस्तीफे की मांग करें, तो इसे केवल राजनीतिक विरोध मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से दिल्ली में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित INDIA ब्लॉक के सांसद मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और कई नेताओं को हिरासत में भी लिया गया है। सरकार और आयोग इसे मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया बता रहे हैं, लेकिन विपक्ष का अविश्वास गहरा रहा है।

शर्मा ने कहा कि ऐसे समय में टकराव से अधिक संवाद की जरूरत है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को विपक्षी दलों से बातचीत कर तथ्यात्मक और सार्वजनिक जवाब देना चाहिए। आयोग जितना पारदर्शी होगा, जनता का विश्वास उतना मजबूत होगा। "सत्ता आती-जाती रहती है, दल बदलते रहते हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर लगा प्रश्नचिह्न आने वाली पीढ़ियों तक लोकतंत्र को प्रभावित कर सकता है। देश को आज टकराव नहीं, स्पष्टता चाहिए; आरोप नहीं, जवाब चाहिए," शर्मा ने कहा।

भिलाई में 15 अक्टूबर से सजेगी ब्रह्माकुमारीज की चैतन्य देवियों की भव्य झांकी



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर-7 स्थित अंतर्दिशा भवन प्रांगण में 15 अक्टूबर से नौ देवियों की लाइट एंड साउंड से सुसज्जित भव्य आलौकिक चैतन्य झांकी सजाई जा रही है। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने बताया कि 90 वर्ष के नवदशकोत्सव मना रही यह अंतरराष्ट्रीय संस्था विश्व के 140 से अधिक देशों में महिला नेतृत्व द्वारा संचालित है। इस झांकी में पहाड़ों, गुफाओं और धरती के गर्भ से प्रकट होती चैतन्य देवियां जड़ मूर्ति के रूप में प्रत्यक्ष होंगी। भक्तजन प्रतिदिन शाम 6:30 बजे से रात 10 बजे तक दर्शन लाभ कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि चहुंओर शक्तियों की स्थापना और पूजन से वातावरण सकारात्मक और शक्तिशाली रहेगा। इस दौरान भक्तजन शिव शक्तियों का आह्वान कर अपने जीवन से बुराइयों, व्यर्थ विचारों और व्यसनों को समाप्त करने का संकल्प लेंगे। यह झांकी अपनी अनूठी प्रस्तुति के लिए जानी जाती है, जहां ब्रह्माकुमारी बहनें स्वयं चैतन्य देवियों का रूप धारण करती हैं। गहन तपस्या और राजयोग की सतत साधना के कारण वे जड़ मूर्तियों के समान अचल और अडोल दिखती हैं। श्रद्धालु इनके दर्शन से शांति और दिव्यता का अनुभव करते हैं। गौरतलब है कि भिलाई ब्रह्माकुमारीज की इस चैतन्य झांकी को प्रयागराज महाकुंभ, उज्जैन सिंहस्थ कुंभ और कोटा में सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया जा चुका है, जहां देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने सराहना की है।

दुर्ग में मुख्यमंत्री साय ने दी 218 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, महतारी वंदन की 32वीं किश्त जारी

दुर्ग सेवा सेतु शिविर में 111 हितग्राहियों को मिला लाभ, मुख्यमंत्री साय ने बांटे चेक, चाबी और प्रमाण पत्र



आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में पोषण स्वास्थ्य एवं महिलाओं के लिए कल्याण संबंधी योजनाओं एवं गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन करने वाली कार्यकर्ताओं को मिला सम्मान, जिसमें रुआंबांधा निवासी की सुनिता मां-ाी को भी मिला सम्मान।

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविशंकर स्टेडियम में आयोजित 'सेवा सेतु' शिविर में शामिल हुए। उन्होंने जिले को 218 करोड़ 48 लाख के विकास कार्यों की सौगात दी। इससे अधोसंरचना, शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्र मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने रिसाली नगर निगम को मिशन क्लीन सिटी, उमरपोटी में 33/11 केवी सब स्टेशन और उतई व धनोरा में नए बिजली वितरण केंद्र खोलने की घोषणा की।

महतारी वंदन की 32वीं किश्त

मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना की 32वीं किश्त जारी की। दुर्ग जिले की 3.89 लाख महिलाओं को 37.19 करोड़ मिले। प्रदेश में अब तक 70 लाख महिलाओं को 20,700 करोड़ से अधिक राशि दी जा चुकी है। साय ने कहा कि पीएम मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चल रहा है।

उन्होंने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल पर 38 विभागों की 907 सेवाएं 16,619 केंद्रों से ऑनलाइन मिल रही हैं। पीएम आवास में 18 लाख आवास स्वीकृत, रोज 1600 आवास पूरे हो रहे हैं। कार्यक्रम में मंत्री रविशंकर स्टेडियम में आयोजित सेवा सेतु शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विभिन्न विभागों के 111 हितग्राहियों को सामग्री, चेक और प्रमाण पत्र वितरित किए।

विभागवार वितरण

राजस्व: मातरोडीह के 5 हितग्राहियों को स्वामित्व योजना के अधिकार अभिलेख, 4 को मकान क्षति सहायता

पंचायत: PM आवास ग्रामीण के 5 हितग्राहियों को पक्के मकानों की चाबी, मनरेगा जॉब कार्ड, स्वच्छ भारत के चेक

स्वास्थ्य: आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड, लृढ़ प्रमाण पत्र, रक्तदान-देहदान-नेत्रदान के लिए संस्थाओं का सम्मान

श्रम: निर्माण श्रमिक मृत्यु सहायता में 5 लाख व 1-1 लाख के चेक

अन्य: मत्स्य विभाग में जाल, आइस बॉक्स, तालाब पट्टा, नगर निगम में स्वनिधि योजना के चेक, विद्युत विभाग में सेफ्टी किट, कृषि विभाग में सरसों मिनीकिट

इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पटवारी, कोटवार, SDRF, पुलिस और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।



गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, ईश्वर साहू, रिकेश सेन, महापौर अलका बाघमार सहित अधिकारी मौजूद रहे।

'सेवा के रंग' में सजी भव्य रंगोली, मुख्यमंत्री साय ने कलाकारों का बढ़ाया हौसला

'सेवा के रंग' में सजी भव्य रंगोली, मुख्यमंत्री साय ने कलाकारों का बढ़ाया हौसला

दुर्ग। सेवा संकल्प अभियान के तहत दुर्ग में 'सेवा के रंग' कार्यक्रम आयोजित हुआ। रविशंकर स्टेडियम के बैडमिंटन कोर्ट में कलाकारों ने भव्य रंगोली बनाई, जिसका मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अवलोकन किया। रंगोली में 'ऑपरेशन सिंदूर', 'विकसित भारत@2047', 'आत्मनिर्भर भारत' सहित जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रभावना को दर्शाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे रचनात्मक आयोजनों से सेवा और विकास का संदेश जन-जन तक पहुंच रहा है। उन्होंने कलाकारों की सराहना कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे।

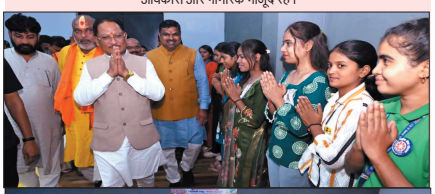



सीएम साय बोले- महतारी वंदन से 70 लाख महिलाओं को मिला संबल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 218.48 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी और 3 घोषणाएं कीं - रिसाली निगम को मिशन क्लीन सिटी, उमरपोटी में 33/11 KV सब स्टेशन, उतई और धनोरा में नए बिजली वितरण केंद्र।

महतारी वंदन - CM ने 32वीं किश्त जारी की। दुर्ग की 3.89 लाख महिलाओं को 37.19 करोड़ मिले। प्रदेश में 70 लाख महिलाओं को अब तक 20,700 करोड़ दिए जा चुके हैं।

सेवा संकल्प अभियान - PM मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक अभियान चल रहा है। सेवा सेतु पोर्टल पर 38 विभागों की 907 सेवाएं 16,619 केंद्रों पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। हेल्पलाइन 1076 से शिकायत निराकरण हो रहा है।



CM ने कहा - 18 लाख PM आवास स्वीकृत, रोज 1600 आवास बन रहे हैं, किसानों को 3100 रु क्विंटल धान, 50 हजार लोगों को रामलला दर्शन, श्रमिकों को 163 करोड़ की सहायता दी गई। मंच पर मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, ईश्वर साहू, रिकेश सेन, महापौर अलका बाघमार सहित अधिकारी मौजूद थे।

सीएम साय ने दुर्ग को दिए 218 करोड़ के 24 विकास कार्य, 1.22 करोड़ का लोकार्पण और 217 करोड़ का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग जिले को 218.48 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 1.22 करोड़ के 1 कार्य का लोकार्पण और 217.25 करोड़ के 23 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

लोकार्पण - ITI दुर्ग उन्नयन कार्य - 1.22 करोड़

प्रमुख भूमिपूजन - PWD सड़क व भवन - पुलगांव-अंजोरा-रसमड़ा 5 किमी 4-लेन - 30.20 करोड़, कुम्हारी-अहिवारा-पथरिया मार्ग चौड़ीकरण - 24.06 करोड़, भिलाई-सिरसा-औंधी मार्ग - 15.03 करोड़, पॉलिटेक्निक दुर्ग रिनोवेशन - 8.86 करोड़, मेडिकल कॉलेज से जुनवानी-कोहका-कुरूद मार्ग - 7.06 करोड़



जल संसाधन -सुरपा, मोहंदी, कपसदा, नंदौरी, तिरगा, गनियारी, रिसाली-उमरपोटी जलाशयों का जीर्णोद्धार व नहर लाइनिंग - 4 से 5 करोड़ प्रति कार्य, कोटनी माइनर चैनल - 4.93 करोड़

स्वास्थ्य - मेडिकल कॉलेज छात्रावास - 16.16 करोड़

GNM प्रशिक्षण केंद्र - 11.96 करोड़

ऊर्जा - 132/33 KV उपकेंद्र जामगांव (R) - 25.83 करोड़, 132 KV पाटन-जामगांव लाइन - 14 करोड़

भिलाई में तालाबों की सफाई तेज : मछुवा संघ के सहयोग से जलकुंभी हटाने का अभियान शुरू

7 अक्टूबर को हुए जल सत्याग्रह का दिखा असर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई के संकल्प के तहत नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के तालाबों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देश पर मछुवा संघ के सहयोग से तालाबों में जमी जलकुंभी और जलकचरे को हटाया जा रहा है।

निगम अधिकारियों ने बताया कि जलकुंभी की अधिकता से तालाबों की सुंदरता के साथ जल की गुणवत्ता भी खराब हो रही थी। इसे देखते हुए शहर के विभिन्न तालाबों का निरीक्षण कर सफाई कराई जा रही है। मछुवा संघ के सदस्यों द्वारा जलकुंभी को बाहर निकालकर किनारे एकत्रित किया जा रहा है।



भाजपा नेता भानु प्रताप सिंह के जल सत्याग्रह का असर

इस अभियान को गति देने में भाजपा नेता भानु प्रताप सिंह द्वारा कुरूद वार्ड-22 के कार्यकताओं के साथ 7 अक्टूबर को किए गए जल सत्याग्रह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भानु प्रताप सिंह ने तालाबों की बदहाली और जलकुंभी की समस्या को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था। उनके आंदोलन के बाद निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफाई कार्य में तेजी लाई है। स्थानीय नागरिकों ने भी भानु प्रताप सिंह के इस जनहितकारी आंदोलन की सराहना की है, जिसने जलस्रोतों के संरक्षण के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

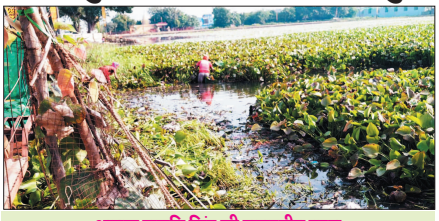

आयुक्त सुरुचि सिंह की सराहनीय पहल

नागरिकों ने निगम आयुक्त सुरुचि सिंह की तत्परता और संवेदनशीलता की भी प्रशंसा की है। उनके निर्देश पर न केवल सतही सफाई बल्कि जलस्रोतों को दीर्घकाल तक स्वच्छ बनाए रखने की योजना पर काम हो रहा है।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि तालाबों में प्लास्टिक, कचरा और पूजन सामग्री न डालें और स्वच्छ भिलाई अभियान में सहयोग करें।

केंद्रीय जेल दुर्ग में बही साहित्य की बयार: मुंशी प्रेमचंद की 90वीं पुण्यतिथि पर काव्य गोष्ठी, बंदी भगतराम-हरिश्चंद्र ने भी किया कविता पाठ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



लोककला दर्पण मंच के तत्वावधान में गुरुवार, 8 अक्टूबर 2026 को केंद्रीय जेल दुर्ग में महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 90वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशेष और प्रेरणादायी काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य साहित्य और कविता के माध्यम से जेल में निरुद्ध बंदियों में सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों और सामाजिक चेतना का विकास करना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रेरित करना था।

शहर के नामचीन कवियों ने बांधा समां

कार्यक्रम में दुर्ग-भिलाई के प्रतिष्ठित कवियों, शायरों एवं कवयित्रियों ने अपनी प्रस्तुतियों से बंदियों और जेल स्टाफ का मन मोह लिया। हर प्रस्तुति पर जेल परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। काव्य गोष्ठी का प्रभावशाली मंच संचालन शहर के प्रसिद्ध शायर नवेद रजा दुर्गवी ने किया। उन्होंने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, आपसी सद्भाव और मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत गजलें प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वरिष्ठ शायर हाजी रियाज खाँ गौहर ने देशभक्ति से ओतप्रोत शायरी प्रस्तुत कर बंदियों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की।

गजलकार सुशील कुमार यादव ने जीवन के संघर्ष, समय की परिस्थितियों और मानवीय संबंधों पर आधारित मार्मिक रचनाओं से सभी को भावविभोर कर दिया। डॉ. नौशाद सिद्दीकी ने अपनी कविता के माध्यम से नशामुक्ति का सशक्त संदेश दिया और नशे से दूर रहकर जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा दी। कवयित्री श्रीमती सीमा अष्टमी साहू ने माँ के त्याग, प्रेम और ममता पर आधारित भावपूर्ण कविता प्रस्तुत कर सभी की आंखें नम कर दीं। भिलाई की पार्षद एवं कवयित्री श्रीमती नोमिन साहू ने महिलाओं को जागरूक होने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और समाज में अग्रणी भूमिका निभाने का ओजस्वी संदेश दिया।

बंदियों की प्रस्तुति बनी आकर्षण का केंद्र

इस गोष्ठी की सबसे बड़ी उपलब्धि रही बंदियों की सक्रिय भागीदारी। बंदी भगतराम एवं हरिश्चंद्र ने मंच से अपनी स्वरचित कविताओं के माध्यम से अपने जीवन के अनुभव, पश्चाताप और सुधरने के संकल्प को साझा किया। उनके संदेश ने साथी बंदियों को सकारात्मक राह पर चलने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में महिला जेल की प्रभारी सहायक जेल अधीक्षक श्रीमती रश्मि चौधरी एवं विधि अधिकारी श्री ईशु देशमुख विशेष रूप से उपस्थित रहे। महिला बंदियों ने भी गीत, कविता, भजन-कीर्तन और नृत्य के माध्यम से उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई, जिससे जेल में सांस्कृतिक और उल्लासपूर्ण वातावरण निर्मित हो गया।

साहित्य से सुधार की पहल

कार्यक्रम के सूत्रधार कैलाश जैन बरमेचा, मनमोहन शर्मा एवं गौसेवा अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नवेद रजा दुर्गवी एवं सीमा अष्टमी साहू के नेतृत्व में आयोजित यह प्रयास इस बात का प्रमाण है कि साहित्य और कला के माध्यम से बंदियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित कर उनमें सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

लोककला दर्पण मंच की ओर से संकल्प लिया गया कि बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भविष्य में भी ऐसे साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे। यह काव्य गोष्ठी इस संदेश के साथ संपन्न हुई कि साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मनुष्य के विचारों में परिवर्तन लाने और समाज को नई दिशा देने की सशक्त शक्ति है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202609101000130/

विषय:- अ-6
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन्न:- 2025-2026
कोहका प.ह.न. 00045 [5406/2(0.0200हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार अभिषेक पाण्डेय, आभिलेख पाण्डेय, अमितेश पाण्डेय, अजितेश पाण्डेय, योषिता मिश्रा, स्मृति शुक्ला,
अनावेदक पक्षकार -लाल मनोहर पाण्डेय,

ईश्तहार

आवेदक - अभिषेक पाण्डेय पिता/पति/विभाग-स्व. लाल मनोहर पाण्डेय पता-वैशाली नगर भिलाई अन्य 5 द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 5406 रकबा 0.020 हे. है जो भूमिस्वामी लाल मनोहर पाण्डेय पिता एम.एस. पाण्डेय के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी लाल मनोहर पाण्डेय पिता एम.एस. पाण्डेय की मृत्यु दिनांक 15.09.2024 को हो जाने के करण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसनो का नाम दर्ज किये जाने हेतु फौती नामांतरण बाबात आवेदन पत्र मय खसरा बी. 1, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया की प्रति प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 19.10.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा न

यह ईस्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/09/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आर एलिजाबेथ रानी R. ELIZABETH RANI (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पत्नी आर. पुरूषोत्तम R. PURUSHOTTAM निवासी फ्लैट नं 101, ब्लाक बी, ग्रीन सिटी, लक्ष्मीनगर, रिसाली, नियर कुसुम नगर, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) एतद्वारा मैं पूर्वक: पुष्टि करती हूँ तथा निम्नानुसार घोषणा करती हूँ

1. मैं फ्लैट नं 101, ब्लाक बी, ग्रीन सिटी, लक्ष्मीनगर, रिसाली, नियर कुसुम नगर, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) की स्थायी निवासी हूँ।

2. मेरा पुराना नाम आर एलिजाबेथ रानी R. ELIZABETH RANI है और मैं अपना नाम बदलकर राचुरी एलिजाबेथ रानी RACHURI ELIZABETH RANI (नया नाम) करवाना चाहती हूँ।

3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूं, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदारी रहूंगा / रहूंगा।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं।

मैं शपथकर्ती सत्यापित करती हूं कि इस शपथ पत्र की कंडिका 1 से 5 तक के संपूर्ण कंडिका सही एवं सत्य है अतः आज दिनांक 28/09/2026 को दुर्ग में पढ़कर व सम-ाकर अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित कर दिया।

शपथकर्ती

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा हमारी जनजातीय संस्कृति, आस्था और सामूहिक सहभागिता की अनुपम विरासत : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने का मिला आमंत्रण, बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति, जगदलपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व 2026 में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया। इस अवसर पर बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा के अनुरूप प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक पागा पहनाकर उनका सम्मान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीय आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए बस्तर दशहरा के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर की सदियों पुरानी आस्था, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक सहभागिता की अनुपम विरासत है। इस पर्व में बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा और सामाजिक समरसता की सुंदर अभिव्यक्ति दिखाई देती है। हमारी सरकार बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इससे जुड़े धार्मिक अनुष्ठानों, परंपराओं तथा इस वर्ष के आयोजन की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

75 दिनों तक चलती है आस्था और परंपरा की अनूठी यात्रा : प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा लगभग 75 दिनों तक चलने वाला विशिष्ट सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है। हरेली अमावस्या से इसकी पारंपरिक शुरूआत होती है और विभिन्न पूजा-विधानों एवं अनुष्ठानों के साथ यह पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तक चलता है। इस वर्ष 12 अगस्त को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ बस्तर दशहरा पर्व का शुभारंभ हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 अक्टूबर को काछनगादी पूजा, 18 अक्टूबर को बेल पूजा तथा 23 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा। बस्तर दशहरा के विभिन्न अनुष्ठानों में अंचल के अलग-अलग



समुदायों की परंपरागत और महत्वपूर्ण भागीदारी रहती है।

मां दंतेश्वरी की आराधना से जुड़ा है बस्तर दशहरा : बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं के कारण देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बस्तर में दशहरा भगवान श्रीराम की रावण पर विजय के उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के प्रति आस्था और आराधना के महापर्व के रूप में मनाया जाता है।

बस्तर दशहरा की परंपरा को ऐतिहासिक मान्यताओं में चालुक्य नरेश पुरुषोत्तम देव से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि पुरुषोत्तम देव ने पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर की यात्रा की थी, जहां उन्हें ह्यरथपतिह्ण की उपाधि प्राप्त हुई। इसी ऐतिहासिक परंपरा के साथ बस्तर दशहरा में रथ का विशेष महत्व जुड़ा हुआ है।

बस्तर दशहरा में मांझी, चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन सहित विभिन्न समुदायों और समाज के अलग-अलग वर्गों की जिम्मेदारियां परंपरागत रूप से निर्धारित हैं। धार्मिक अनुष्ठानों से लेकर रथ निर्माण और आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं तक स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी इसकी विशेषता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही सामूहिक सहभागिता की यह परंपरा बस्तर दशहरा को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समन्वय का अनूठा उदाहरण बनाती है।

देश-दुनिया को आकर्षित करती है बस्तर की जीवंत संस्कृति : विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा अपनी भव्य रथयात्रा, विशिष्ट पूजा-अनुष्ठानों, जनजातीय परंपराओं और लोक संस्कृति के कारण देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक आयोजन और बस्तर की जीवंत संस्कृति को करीब से देखने के लिए पहुंचते हैं। बस्तर दशहरा जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है, वहीं यह बस्तर की लोक कला, परंपराओं और पर्यटन को भी व्यापक पहचान देता है। विभिन्न समुदायों की सामूहिक भागीदारी और मां दंतेश्वरी के प्रति अगाध आस्था इस पर्व को विशिष्ट स्वरूप प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर की संस्कृति छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर है। बस्तर दशहरा जैसी परंपराएं हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराती हैं। इन परंपराओं का संरक्षण और उन्हें देश-दुनिया तक पहुंचाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री को आमंत्रण देने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में बस्तर सांसद महेश कश्यप, परगनाकरेकोट के मंगलु मांझी, बलराम मांझी, पदम् चालकी, समारू चालकी, डमरू चालकी, लक्ष्मण मांझी सहित अनेक मांझी, चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन एवं बस्तर दशहरा समिति के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

खास खबर

मुख्यमंत्री साय की पहल से जशपुर में स्वास्थ्य शिक्षा को नई सौगात, कंडोरा में शुरू होगा फिजियोथेरेपी कॉलेज



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है। जिले के कुनकुरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम कंडोरा में फिजियोथेरेपी कॉलेज शुरू करने की तैयारी की जा रही है। करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित हाईस्कूल भवन में प्रारंभिक रूप से कॉलेज का संचालन किया जाएगा। कॉलेज में 50 सीटों पर इसी शैक्षणिक सत्र से प्रवेश प्रारंभ करने की तैयारी है। इस पहल से जिले के विद्यार्थियों को फिजियोथेरेपी जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगा।

कंडोरा में निर्मित हाईस्कूल भवन में हाईस्कूल संचालन की अनुमति नहीं मिलने के बाद शासन द्वारा उपलब्ध अधोसंरचना का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करते हुए यहां फिजियोथेरेपी कॉलेज संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इससे एक ओर पहले से निर्मित भवन का उपयोग सुनिश्चित होगा, वहीं दूसरी ओर जिले में स्वास्थ्य शिक्षा के नए अवसर विकसित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में यह पहल जशपुर को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फिजियोथेरेपी कॉलेज की शुरूआत से जशपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर बनाने के नए अवसर मिलेंगे। प्रारंभिक रूप से 50 सीटों के साथ कॉलेज संचालन की तैयारी की जा रही है। इससे विद्यार्थियों को फिजियोथेरेपी की व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए अन्य शहरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। कॉलेज के संचालन से स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवश्यक प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने में भी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों को फिजियोथेरेपी से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

जिले में फिजियोथेरेपी कॉलेज की स्थापना का लाभ केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त होगा। वर्तमान में जिले के अनेक मरीजों को फिजियोथेरेपी उपचार के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। स्थानीय स्तर पर फिजियोथेरेपी शिक्षा और विशेषज्ञ सेवाओं का विस्तार होने से ऐसे मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने की संभावनाएं बढ़ेंगी। कॉलेज के माध्यम से प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार होने के साथ फिजियोथेरेपी सेवाओं के विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इससे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

फिजियोथेरेपी कॉलेज के लिए चराईडांड के पास करीब 13 करोड़ 93 लाख रुपये की लागत से स्थायी हाईटेक कैंपस विकसित करने की योजना है। स्थायी परिसर के निर्माण तक कंडोरा में पहले से तैयार भवन का उपयोग कॉलेज संचालन के लिए किया जाएगा। स्थायी कैंपस विकसित होने से भविष्य में विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक अधोसंरचना और बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में जिले की क्षमता का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

युवा शक्ति ही करेगी विकसित और सशक्त भारत का निर्माण : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

जेन नेक्स्ट संवाद में जेन-जी और जेन-अल्फा से रूबरू हुए मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और यही युवा शक्ति विकसित एवं सशक्त भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, अपनी रुचि के अनुरूप लक्ष्य तय करने और पूरी मेहनत एवं समर्पण के साथ उन्हें हासिल करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए समय का सदुपयोग, निरंतर परिश्रम और अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर के सड्डू में न्यूज 24 और लल्लूराम डॉट कॉम द्वारा आयोजित जेन नेक्स्ट संवाद 'यंग माइंड्स, मीनिंगफुल कन्वसेर्शंस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री जेन-जी और जेन-अल्फा के विद्यार्थियों से रूबरू हुए। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से उनके जीवन के संघर्ष, राजनीति, शिक्षा, राज्य के आर्थिक विकास, प्रतियोगी परीक्षाओं और जल संरक्षण सहित विभिन्न विषयों पर सवाल किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने सहज और आत्मीय अंदाज में युवाओं के सवालों के जवाब दिए और अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए।



प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बढ़ा भारत का मान-सम्मान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में जनता की सेवा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 वर्ष पूरे किए हैं। इस अवसर पर पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वच्छ भारत मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जब लाल किले की प्राचीर से स्वच्छता का आह्वान किया था, तब इसे लेकर सवाल भी उठाए गए थे। आज स्वच्छता जन-जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। घर-घर शौचालय के निर्माण से माताओं-बहनों के सम्मान और स्वास्थ्य की रक्षा हुई तथा गांवों को खुले में शौच से मुक्ति मिली। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता के प्रति सोच और व्यवहार दोनों में बड़ा बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को भारत के सामर्थ्य और दृढ़ इच्छाशक्ति से परिचित कराया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक दृष्टि से भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है और आज पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है।

उन्होंने ने अपने हालिया सिंगापुर प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि चार दिनों के प्रवास के दौरान उनकी अनेक प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा हुई। वहां उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का उल्लेख किया।

अपना बचपन याद कर मुख्यमंत्री ने बताया - कितना बदल गया है शिक्षा का परिदृश्य

युवाओं से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियां भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि आप सभी से चर्चा करते हुए मुझे अपना बचपन याद आ रहा है। जब मैं बगिया गांव के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ता था, तब हमारे स्कूल में पांचवीं बोर्ड की परीक्षा देने की व्यवस्था तक नहीं थी। परीक्षा देने के लिए कई किलोमीटर दूर दूसरे गांव जाना पड़ा और वहां पांच दिनों तक रुककर परीक्षा दी। उस समय स्कूल भवन भी कच्चे होते थे और बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता था। उन्होंने कहा कि आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ है और उच्च शिक्षा की विभिन्न संस्थाएं प्रदेश में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पहले राज्य में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज 15 मेडिकल कॉलेज हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज उन्हें शिक्षा के जो अवसर और सुविधाएं मिल रही हैं, उनका भरपूर सदुपयोग करें और अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।

कभी नहीं सोचा था सरपंच भी बनूंगा, ईश्वर ने मुख्यमंत्री तक पहुंचा दिया

बीबीए के छात्र अश्मित शिंदे ने मुख्यमंत्री से पूछा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने की प्रेरणा कैसे मिली। सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन के संघर्षपूर्ण दौर को याद किया। उन्होंने कहा कि मैं जशपुर के बगिया जैसे छोटे से गांव में पला-बढ़ा हूं। जब मैं लगभग 10 वर्ष का था, तब मेरे पिता का आकस्मिक निधन हो गया। भाइयों में सबसे बड़ा होने के कारण छोटी उम्र में ही छोटे भाइयों, मां और दादी की जिम्मेदारी मेरे कंधों पर आ गई। उन्होंने ने कहा कि उन्होंने पढ़ाई के साथ खेती-बाड़ी संभाली और छोटे भाइयों को सक्षम बनाने का प्रयास किया। उस समय कभी यह कल्पना भी नहीं की थी कि गांव का सरपंच बनूंगा। सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ते हुए सरपंच से विधायक, सांसद, केंद्रीय राज्यमंत्री और आज मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सेवा करने का अवसर मिला।

उन्होंने ने युवाओं से कहा कि उन्होंने हमेशा कर्म ही पूजा है के सिद्धांत को जीवन में अपनाया। जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यदि हम अच्छे उद्देश्य से पूरी निष्ठा के साथ काम करते हैं तो ईश्वर भी हमारा साथ देता है। शायद ईश्वर को मेरे हाथों से लोगों की सेवा करानी थी, इसलिए एक छोटे से गांव के सरपंच को मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने का अवसर मिला।

समय की कीमत समझें, अपनी रुचि को बनाएं लक्ष्य

छात्र करण भोसले ने मुख्यमंत्री से उनके जीवन का मूल मंत्र पूछा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय की कीमत समझनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अभी उनका समय अध्ययन और अपने भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का है। इस समय का जितना अधिक सदुपयोग करेंगे, भविष्य उतना ही बेहतर होगा। सपने हमें मेहनत करने की प्रेरणा देते हैं। हर युवा को अपनी रुचि पहचाननी चाहिए, उसी के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उसे हासिल करने के लिए पूरी ऊर्जा से प्रयास करना चाहिए।

जल है तो कल है-जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान

कक्षा नवमीं के छात्र आदित्य राज तिवारी ने मुख्यमंत्री श्री साय से पूछा कि स्कूली विद्यार्थी जल संरक्षण में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल है तो कल है। जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और यह आज पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा ह्यजल संचय-जनभागीदारी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने ने कोरिया जिले में लागू 5 प्रतिशत मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में अच्छे परिणाम सामने आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मन की बात कार्यक्रम में इसका उल्लेख किया है। राजनांदगांव में सोक पिट निर्माण की दिशा में अच्छा काम हो रहा है।उन्होंने युवाओं से वर्षा जल संचयन को अपने घर, स्कूल और समाज में प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र मितांश सिंह ने प्रदेश के आर्थिक विकास को लेकर मुख्यमंत्री से सवाल किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2047 को ध्यान में रखते हुए अपना विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न राज्य है और इन संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कर प्रदेश की आय बढ़ाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षा को संस्कार और रोजगार से जोड़ रही नई शिक्षा नीति

छात्रा सानिया परवीन ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में सवाल किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रदेश में 17 प्रयास विद्यालय संचालित हैं। इन संस्थानों में प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने ने कहा कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता और अधोसंरचना को भी लगातार बेहतर किया जा रहा है। केंद्र सरकार की पीएमश्री योजना में छत्तीसगढ़ के 341 स्कूल शामिल हैं। योजना के तहत इन विद्यालयों में अधोसंरचना, स्मार्ट क्लास, प्रयोगशालाओं सहित आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू की गई है, जिसका उद्देश्य शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखते हुए उसे संस्कार, कौशल और रोजगार से जोड़ना है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के बच्चों और युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे।

युवाओं के साथ सुने भक्ति गीत, प्रतिभाओं का किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने युवाओं के साथ भजन क्लबिंग के अंतर्गत आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत भक्ति गीतों का आनंद लिया। मुख्यमंत्री ने खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले युवाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर देना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

राज्य स्तरीय रोजगार मेले का उत्साहपूर्ण समापन, दो दिनों में 13 हजार से अधिक युवाओं की सहभागिता, 5 हजार से अधिक युवाओं का अंतिम चयन, मुख्यमंत्री ने लगभग 1,100 चयनित युवाओं को सौंपे ऑफर लेटर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर कौशल प्रशिक्षण और उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियों को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर अपने ही प्रदेश में मिलें, वे अपने कौशल और प्रतिभा के बल पर आत्मनिर्भर बनें तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें। मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला-2026 के समापन अवसर पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे।



इस अवसर पर उन्होंने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री के करकमलों से लगभग 1,100 चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए। 7 एवं 8 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय रोजगार मेले में प्रदेशभर से 13 हजार से अधिक युवाओं ने सहभागिता की। विभिन्न कंपनियों द्वारा आयोजित चयन प्रक्रियाओं के बाद 5 हजार से अधिक अभ्यर्थियों का अंतिम चयन हुआ। प्रदेश के सभी जिलों के साथ दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों से भी बड़ी संख्या में युवा मेले में पहुंचे और अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के लिए चयन प्रक्रिया में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि रोजगार का यह अवसर उनके जीवन में नई शुरूआत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर अपने परिवार के साथ प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेशभर में 925 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है, जिनके माध्यम से 25 हजार 845 से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। राज्य स्तरीय रोजगार मेले की सफलता इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और गति देने वाली है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण भी आवश्यक है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा से कौशल और कौशल से रोजगार तक जोड़ने की दिशा में निरंतर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी, एम्स और विधि विश्वविद्यालय जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थान संचालित हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रयास जैसी संस्थाओं के माध्यम से भी अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और बेहतर भविष्य के लिए अधिक से अधिक अवसर छत्तीसगढ़ में ही उपलब्ध हों। इसके लिए शैक्षणिक और तकनीकी संस्थानों को उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय रोजगार मेले में 95 से अधिक पंजीकृत नियोक्ता संस्थानों के साथ अन्य कंपनियों ने भी सहभागिता की। आयोजन स्थल पर लगभग 50 स्टॉल स्थापित किए गए, जहां विभिन्न औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों की कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन, साक्षात्कार और चयन किया गया। मेले में आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग, स्नातक सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। रोजगार विभाग के साथ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा विभाग, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों तथा छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण की भी आयोजन में सक्रिय सहभागिता रही।

कौशल विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित युवाओं ने भी बड़ी संख्या में रोजगार मेले में हिस्सा लिया। इस तरह रोजगार मेला केवल नियुक्तियों का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं, उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सीधे संवाद और समन्वय का प्रभावी मंच भी बना। रोजगार मेले में अभ्यर्थियों के पंजीयन, आवेदन, उपस्थिति और चयन संबंधी प्रक्रियाओं को ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन संचालित किया गया। इससे चयन प्रक्रिया को अधिक सरल, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने में सहायता मिली।

राज्य सरकार द्वारा ई-रोजगार पोर्टल को आगे स्किल मार्केट के रूप में विकसित करने की योजना है। इस एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उद्योगों की आवश्यकताओं और उपलब्ध रिक्त पदों के साथ रोजगार के इच्छुक युवाओं की शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल की जानकारी उपलब्ध होगी। इससे एक ओर युवाओं को अपनी योग्यता के अनुरूप अवसर खोजने में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, विधायक सुनील सोनी, विधायक रोहित साहू सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

संपादकीय

संविधान को मानते हैं तो अनुमति क्यों नहीं लेते हैं

लोकतंत्र में सबको अधिकार मिले हुए हैं,राजनीति करने वालों को मार्च करने,रैली निकालने,धरना देने,प्रदर्शन करने और आंदोलन करने का अधिकार है तो पुलिस को कानून व्यवस्था बनाए रखने का अधिकार है। संविधान में किसी को मार्च निकालने,रैली निकालने,प्रदर्शन करने के नाम पर कानून व्यवस्था भंग करने का अधिकार नहीं दिया गया है किसी भी राजनीतिक दल को किसी क्षेत्र में मार्च निकालना है तो उसे इसके लिए पुलिस से अनुमति लेने होगी। जो भी संविधान को मानता है,वह तो वह सार्वजनिक जीवन को प्रभावित करने वाले किसी भी आयोजन के लिए पुलिस से अनुमति लेना जरूरी समझेगा। हमारे देश के नेता प्रतिपक्ष,सांसद जब ऐसा नहीं करते है तो इससे उनकी ही छवि ही धूमिल होती है, उनकी ही आचार विचार को लेकर सवाल उठता है कि संसद में कानून बनाने वाले ही कानून का पालन नहीं करेंगे तो जनता में अच्छा संदेश नहीं जाता है। ऐसे में जनता के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऐसे में जो लोग संविधान हाथ में लेकर घूमते है,क्या वाकई में संविधान के रक्षक हैं, क्योंकि हाथ में संविधान लेकर घूमने वाले नेता ही जब मार्च निकालने से पहले पुलिस से अनुमति लेना जरूरी नहीं समझते हैं तो इससे उनकी पोल खुल जाती है कि वह भले ही संविधान हाथ में लेकर घूमते हों लेकिन मन में संविधान देश के कायदे कानून के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

वह आए दिन कभी भी कुछ भी करते हैं और यह मानते भी नहीं है कि उन्होंने कुछ गलत किया है,वह तो समझते हैं कि वह जो करते हैं, वह उनका अधिकार है, वह जो कुछ करते हैं सही करते हैं। उनके लिए पीएम आवास के पास धरना देना सही काम है, उनके लिए आकाशवाणी भवन के भीतर घुसकर धरना देना सही काम है। उनको बिलकुल अफसोस नहीं होता है कि उन्होंने कुछ गलत किया है,वह कुछ गलत हो जाए तो उसके लिए माफी भी नहीं मांगते हैं ।इसके बाद भी खुद को जब वह संविधान व लोकतंत्र का रक्षक कहते हैं तो देश की जनता कैसे भरोसा कर सकती है कि ऐसे लोग संविधान के रक्षक हो सकते है,ऐसे लोग लोकतंत्र के रक्षक हो सकते हैं। लेकिन पुलिस को अपना काम करना पड़ता है,वह तो वाकई में संविधान की रक्षक है,लोकतंत्र की रक्षक है,कानून का उल्लंघन करने पर उसे तो कार्रवाई करनी ही पड़ती है,वह कार्रवाई नहीं करेंगी तो उसकी आलोचना होगी कि उसने अपना कर्तव्य क्यों नहीं निभाया। यही वजह है कि आकाशवाणी भवन में जबरन घुसने का आरोप मैम राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक इंडिया गठबंधन ने संसद भवन से निर्वाचन सदन (चुनाव आयोग का मुख्यालय) तक मार्च करने की योजना बनाई थी, कायदे से तो इसके लिए पहले पुलिस से अनुमति लेनी थी लेकिन इस मार्च के लिए कोई आधिकारिक अनुमति नहीं मांगी गई थी और न ही दी गई थी ।इसके बाद भी राहुल गांधी सहित इंडिया गठबंधन के सांसदों ने मंगलवार को भारत के चुनाव आयोग के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान आकाशवाणी भवन परिसर में कथित तौर पर जबरन घुसने और धरना दिया ।पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों से परिसर खाली करने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया ।उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल को एउकअधिकारियों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे । दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया । राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य प्रदर्शनकारियों को परिसर से हटाया गया और हिरासत में ले लिया गया । पुलिस ने विरोध प्रदर्शन के दौरान 10 सांसदों सहित लगभग 260 लोगों को हिरासत में लिया गया । हिरासत में लिए गए नेताओं को किंग्सवे कैंप स्थित न्यू पुलिस लाइन्स ले जाया गया और बाद में रिहा कर दिया गया ।

खबरों के मुताबिक बुधवार को इंडिया गठबंधन के सांसदों की बैठक के बाद फैसला किया गया है कि अब जंतरमंतर में सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना दिया जाएगा ।यह काम तो मंगलवार को भी किया जा सकता था पुलिस से अनुमति लेकर । जंतर मंतर पर धरना देने के पहले भी इंडिया गठबंधन के सांसदों के अनुमति जरूर लेनी चाहिए ।इसी तरह सीईसी ज्ञानेश कुमार को मांगपत्र सौंपना हो या मिलना हो तो भी पहले अनुमति लेनी चाहिए । इस तरीके को तो कोई भी ठीक नहीं कह सकता कि कुछ लोग कहीं भी बिना अनुमति के धरना शुरू कर दें और कहें कि हम तब तक नहीं उठेंगे जब तक सीईसी हमसे मिलने नहीं आते ऐसे में सीईसी तो मिलने आएंगे ही नहीं, उल्टे ऐसा करने वालों की फजीहत होती है कि कैसे बड़े नेता बने फिरते हैं, कोई काम खुद ठीक से नहीं करते हैं और गलती करने पर पुलिस एफआईआर करती है तो कहते हैं कि मेरे खिलाफ जब एफआईआर की जाती है तो मुझे लगता है कि एक मेडल मिला है । मैं तो चाहता हू कि मेरे खिलाफ सौ एफआईआर दर्ज की जाए ।कोई भी बड़ा नेता जब ऐसा कहता है तो इसका मतलब तो यह भी निकाला जा सकता है कि उसने एक गलत काम किया है तो एक एफआईआर दर्ज की गई है, इसके बाद वह सौ गलत काम करने का इरादा रखता है ।

कोई भी बड़ा नेता जब कुछ कहता है और करता है तो उसे बहुत सोचसमझ कर कहना और करना चाहिए । क्योंकि इससे उसकी छवि बनती है वह अच्छा कहता है,अच्छा करता है तो उसकी अच्छे नेता की छवि बनती है, वह अच्छा नहीं कहता है, अच्छा नहीं करता है तो उसकी बुरे नेता की छवि बनती है ।अभी देश के बड़े नेताओं में जेनजी का नेता बनने की होड़ लगी हुई है । युवाओं का नेता बनने की होड़ लगी हुई है । एक संगठन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए आंदोलन करता है और उनका इस्तीफा हो जाता है,वह सफल आंदोलन करने वाला संगठन हो जाता है । इससे दूसरे संगठनों को लगता है कि उनको भी ऐसा सफल आंदोलन करना चाहिए यानी चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा कोई भी आरोप लगाकर मांगना चाहिए ।आंदोलन सफल नहीं हुआ है, सफल बनाने के लिए आंदोलन किया जा रहा है । शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से क्या शिक्षा परीक्षा व्यवस्था सुधर गई है, नहीं सुधरी है,इसी तरह सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से भी चुनाव की व्यवस्था नहीं सुधरने वाली है,यह बात देश की जनता बखूबी समझ रही है, लेकिन बड़े नेताओं को यह बात समझ नहीं आ रही है । यही वजह है कि जनता विपक्ष के नेताओं के साथ नहीं है । सवाल उठता है कि यदि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के बाद भी कांग्रेस व विपक्षी दल अगले साल होने वाला चुनाव हार जाते हैं तो फिर क्या करेंगे ।

तेल की कीमतों का झटका और भारत में बढ़ती महँगाई

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ते ही क्यों महँगा होने लगता है भारत का जीवन?

डॉ. सत्यवान सौरभ



महँगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमत बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण काम करते हैं। जब किसी देश में विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं या कच्चे माल की कीमत बढ़ती है और उसका असर घरेलू बाजार की कीमतों पर पड़ता है, तो इसे आयातित महँगाई कहा जाता है। भारत जैसे देश के लिए यह चुनौती अधिक गंभीर है, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था ऊर्जा की आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव इसलिए केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर परिवहन, उद्योग, कृषि, खाद्य पदार्थों और अंततः आम आदमी की जेब तक पहुँचता है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ना भारत के लिए सीधे तौर पर महँगे आयात का संकेत है। जब वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, तेल उत्पादक देशों द्वारा उत्पादन में कटौती, आपूर्ति बाधित होने या मांग बढ़ने जैसे कारणों से कच्चे तेल की कीमत अचानक बढ़ती है, तो भारत को उसी तेल के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। यही वह पहला बिंदु है जहाँ से आयातित महँगाई का दबाव शुरू होता है।

तेल की कीमत बढ़ने का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव ईंधन की लागत पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल महँगे होने पर परिवहन लागत बढ़ जाती है। भारत में सड़क परिवहन व्यापार और आपूर्ति-श्रृंखला की रीढ़ है। खेत से मंडी, मंडी से थोक बाजार और वहाँ से दुकानों तक पहुँचने वाली अधिकांश वस्तुओं के परिवहन में ईंधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए डीजल महँगा होते ही माल ढुलाई का खर्च बढ़ सकता है। परिवहन कंपनियाँ बढ़ी हुई लागत को भाड़े में शामिल करती हैं और अंततः उसका भार उपभोक्ता तक पहुँचता है।

तेल का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं है। अर्थव्यवस्था के अनेक उद्योग ऊर्जा पर निर्भर हैं। सीमेंट, इस्पात, रसायन, उर्वरक और अन्य ऊर्जा-गहन उद्योगों की उत्पादन लागत में ईंधन और ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पादन लागत बढ़ती है। उद्योग अपनी लागत को नियंत्रित करने के लिए उत्पादों की कीमत बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार तेल का शुरूआती झटका धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था के अलग-अलग क्षेत्रों में फैलने लगता है।

इसका असर खाद्य महँगाई पर भी दिखाई दे सकता है। किसान के लिए डीजल सिंचाई, कृषि मशीनरी और परिवहन में उपयोगी है। कृषि उपज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। यदि परिवहन और कृषि संबंधी लागत बढ़ती है, तो सब्जियों, फलों, अनाज और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बन सकता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में आया एक झटका घरेलू रसोई तक पहुँच सकता है।

इस पूरी प्रक्रिया में रुपये की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का कारोबार सामान्यतः अमेरिकी डॉलर में होता है। यदि एक ओर तेल की वैश्विक कीमत बढ़ रही हो और दूसरी ओर रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हो जाए, तो भारतीय आयातकों के लिए कच्चा तेल और महँगा पड़ता है। यानी भारत को एक ही मात्रा के तेल के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इससे आयातित महँगाई का दबाव और बढ़ सकता है।

तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि महँगाई की अपेक्षाओं को भी प्रभावित करती है। जब लोगों और कारोबारियों को लगता है कि ईंधन महँगा होने के कारण आगे भी लागत बढ़ेगी, तो वे पहले से ही अपनी कीमतों में वृद्धि करने लगते हैं। मजदूरी, माल ढुलाई, सेवाओं और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह शुरूआती तेल झटका व्यापक महँगाई में बदलने की क्षमता रखता है। भारतीय रिजर्व बैंक के आकलनों में भी कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का मुद्रास्फीति पर स्पष्ट प्रभाव माना गया है; अक्सर उद्धृत अनुमान के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में 10 प्रतिशत वृद्धि से उपभोक्ता मूल्य आधारित महँगाई पर लगभग 20 आधार अंकों का दबाव पड़ सकता है, हालांकि वास्तविक प्रभाव परिस्थितियों के अनुसार बदलता है।

ऐसे समय में सरकार और केंद्रीय बैंक के सामने संतुलन की चुनौती होती है। यदि ईंधन पर करों में बहुत अधिक वृद्धि की जाए तो उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है, जबकि अत्यधिक कर कटौती से सरकार के राजस्व पर दबाव आ सकता है। इसलिए असाधारण वैश्विक तेल झटकों के समय संतुलित और समयबद्ध कर नीति आवश्यक है। इसी प्रकार मौद्रिक नीति के स्तर पर महँगाई की दूसरी लहर को रोकना जरूरी है, लेकिन अत्यधिक कठोर कदम आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं।

दीर्घकालीन समाधान केवल तेल की कीमतों को नियंत्रित करने में नहीं, बल्कि तेल पर निर्भरता कम करने में है। भारत को कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लानी होगी और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करना होगा, ताकि वैश्विक आपूर्ति संकट के समय तत्काल दबाव कम किया जा सके। इसके साथ ही विद्युत वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना होगा। जितनी तेजी से अर्थव्यवस्था वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ेगी, उतनी ही कम उसकी संवेदनशीलता अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार के झटकों के प्रति होगी।

भारत के लिए कच्चा तेल केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल की कीमत हमारे नियंत्रण में नहीं है, लेकिन उस कीमत का हमारी अर्थव्यवस्था पर कितना असर होगा, यह काफी हद तक हमारी नीतियों और तैयारी पर निर्भर करता है। आयातित महँगाई को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं, पर उसके प्रभाव को कम जरूर किया जा सकता है।

तेल की कीमतों का हर झटका हमें यही संदेश देता है कि ऊर्जा सुरक्षा ही आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। जब तक भारत अपनी आयात निर्भरता को कम नहीं करता, तब तक वैश्विक तेल बाजार की हलचल भारतीय बाजार और आम उपभोक्ता की जेब को प्रभावित करती रहेगी। इसलिए आज आवश्यकता केवल महँगाई से लड़ने की नहीं, बल्कि ऐसी अर्थव्यवस्था बनाने की है जो बाहरी कीमतों के झटकों के सामने अधिक मजबूत, आत्मनिर्भर और टिकाऊ हो।

कविता का कोना

मिटा दिया बीमारी ने हमें



शरीर दर्द में दिन-रात
छटपटाता है।
तकलीफ जब हद से गुजर
जाती है,
तो अपना भी दूर भाग जाता है।

लाइलाज बीमारी है फिर भी,
इलाज की उम्मीद लगाए बैठे हैं।
डॉक्टर के बढ़ते बिल देखकर,
परिवार के दिल भी
धड़क रहे हैं।

शरीर का बुरा हाल है,
दिमाग पर हिमालय-सा
पहाड़ है।
हर पल एक नई चिंता है,
हर सांस में दर्द का भार है।

हे भगवान! अब तू ही
रास्ता दिखा,
इस अंधेरे से हमें बाहर निकाल।
बीमारियों को जड़ से मिटा दे,
हमारे जीवन में फिर
खुशियां डाल।

दर्द कम कर, हिम्मत बढ़ा,
टूटे मन को फिर से संभाल।
तेरी दया की एक किरण
मिल जाए,
तो बदल जाए जिंदगी का हाल।

कवियत्री
श्रीमती ममता दुबे, सेक्टर-५,
भिलाई, छत्तीसगढ़

यूपी में प्रियंका की भूमिका को लेकर उठते सवाल

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासी पिच पर साल 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर भले ही बाहर से इंडिया गठबंधन के अटूट होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा हो, लेकिन परदे के पीछे जो कुछ पक रहा है, वह किसी पॉलिटिकल थ्रिलर से कम नहीं है। सतह पर मुकाबला सत्ताधारी बीजेपी से होना चाहिए, पर कांग्रेस के तेवर देखकर ऐसा लग रहा है मानो उनका असली निशाना भारतीय जनता पार्टी नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव हैं। दिल्ली के पावर गलियारों से लेकर लखनऊ के दफ्तरों तक, कांग्रेस जिस आक्रामक और जिद भरी शैली में जमीन मांग रही है, उसने राजनीतिक पंडितों को भी हैरान कर दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या प्रियंका गांधी वाड्रा 2027 के इस बड़े दंगल में बीजेपी को शिकस्त देने के बजाय समाजवादी पार्टी की सियासी जमीन पर कब्जा करने की कोई सुनियोजित रिक्राफ्ट लिख रही हैं? इस पूरी पटकथा की टाइमिंग और तेवरों को गौर से देखा जाए तो कई राज से पर्दा उठता है।

संसद भवन में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद से ही यह साफ हो गया था कि उत्तर प्रदेश से जुड़े तमाम राजनीतिक और सांगठनिक फैसलों की धुरी पूरी तरह प्रियंका गांधी के हाथों में है। इस महत्वपूर्ण बैठक के तुरंत बाद जमीन पर जो बड़े फेरबदल हुए, वे किसी सामान्य प्रशासनिक बदलाव का हिस्सा नहीं बल्कि एक बड़े सियासी गेम प्लान का हिस्सा थे। कांग्रेस ने अपने आक्रामक तेवरों को धार देने के लिए ऐसे चेहरों को आगे करना शुरू कर दिया जो सीधे तौर पर सपा को असहज करने के लिए जाने जाते हैं। आम आदमी पार्टी का दामन छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया, तो वहीं तेज-तर्रार और हमेशा मुखर रहने वाले सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इसके साथ ही, सौम्य छवि वाली आराधना मिश्रा मोना को प्रदेश अध्यक्ष की कमान देकर इस नई तिकड़ी को मैदान में उतारा गया। कांग्रेस ने इसके जरिए सवर्ण, दलित और मुस्लिम समीकरण साधने की कागजी कोशिश तो जरूर की, लेकिन इनके बयानों ने गठबंधन के भीतर भूचाल ला दिया है।



लखनऊ की धरती पर कदम रखते ही नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि कांग्रेस कोई छोटी-मोटी पार्टी नहीं है और वह आगामी विधानसभा चुनाव में आधे से कम सीटों पर किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगी। उनके इस बयान के बाद इमरान मसूद ने तो जैसे मोर्चा ही खोल दिया। वह हर रोज मीडिया के तीखे कैमरों के सामने अखिलेश यादव की रणनीति, कार्यशैली और सीटों के बंटवारे पर सवाल खड़े करने नजर आते हैं। यहाँ आंकड़ों के आईने में कांग्रेस के इन दावों की हकीकत भी टटोलनी बेहद जरूरी हो जाती है। साल 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों को अगर हम याद करें, तो जब अखिलेश यादव ने बड़े दिल का परिचय देते हुए कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 17 सीटें दी थीं, तब कांग्रेस इनमें से सिर्फ 6 सीटों पर ही जीत का स्वाद चख पाई थी।

इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी ने अकेले अपने दम पर 37 सीटों पर शानदार परचम लहराकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी होने का लोहा मनवाया था। लोकसभा चुनाव के इस जमीनी और बेहद कड़वे आंकड़े को पूरी तरह दरकिनार करके यदि कोई दल विधानसभा चुनाव में डेढ़ सौ सीटों की मांग या अत्यधिक दबाव की राजनीति करे, तो इसे सियासी नासमझी कहें या कोई गहरी साजिश? दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस नेताओं की इस लगातार बयानबाजी और खुले हमलों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। वह खुद सीधे तौर पर इन बयानों पर कुछ कहने से बच रहे हैं और अपनी पार्टी के अन्य नेताओं या प्रवक्ताओं के जरिए नपा-तुला पलटवार करवा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव की यह खामोशी उनकी कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक बेहद सोची-समझी और परिपक्व रणनीति है। वह अच्छी तरह भांप चुके हैं कि यदि उन्होंने इस वक्त कोई भी तीखा या आक्रामक पलटवार किया, तो सारा ठीकरा विपक्षी कलह पर फूट जाएगा और बीजेपी को इसका सीधा राजनीतिक फायदा मिल जाएगा। लेकिन इसके बावजूद, सपा के अंदरखाने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में इस बात को लेकर जबरदस्त उबाल है कि जिस पार्टी का खुद का जनाधार यूपी में लगातार सिमट चुका है, वह इतनी बड़ी हैसियत की मांग किस बिना पर कर रही है।

कांग्रेस की यह जिद और अकेले दम पर अपनी शर्तों पर राजनीति करने की आदत कोई नई नहीं है। इसके इतिहास के पन्नों को पलटेंगे तो ऐसी कई मिसालें मिलेंगी जहाँ कांग्रेस ने अपने ही सहयोगियों की लुटिया डुबोई है और गठबंधन धर्म को तार-तार किया है। साल 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के इतिहास को ही देख लीजिए, तब समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को सम्मानजनक रूप से 105 सीटें दी थीं, लेकिन कांग्रेस ने जिद पकड़कर 114 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए, जिसका नतीजा यह हुआ कि गठबंधन का पूरा चुनावी माहौल खराब हो गया और अंततः बीजेपी ने प्रचंड बहुमत की सरकार बना ली। यही नहीं, साल 2022 के विधानसभा चुनावों में जब प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने अपनी ताकत दिखाने के लिए सभी 403 सीटों पर अकेले ताल ठोकी थी, तब पार्टी का ऐसा सूपड़ा साफ हुआ कि रायबरेली और अमेठी जैसी पारिवारिक वीआईपी सीटों पर भी जमानतें खतरे में पड़ गईं और कुल वोट शेयर सिमटकर महज 2.34 प्रतिशत पर आ गया।

इतने बड़े धक्के के बाद भी यदि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व क्षेत्रीय दलों के साथ टकराव का रास्ता अपनाता है, तो यह उसकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही उजागर करता है। कांग्रेस की इस प्रवृत्ति का असर केवल उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि देश के दूसरे राज्यों में भी इंडिया गठबंधन के भीतर इसकी कई बानगी देखने को मिल चुकी है। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान भी अंतिम समय तक सीट बंटवारे को लेकर चली अंतहीन खींचतान के चलते राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आपस में ही फ्रेंडली फाइट के नाम पर खुलकर भिड़ गए और उसका खामियाजा पूरे विपक्ष को उठाना पड़ा। ठीक इसी तरह, हरियाणा और पश्चिम बंगाल के चुनावों में भी क्षेत्रीय दलों के साथ ऐसा ही असहयोग वाला बर्ताव देखने को मिला, जहां कांग्रेस ने अपनी खोई हुई जमीन तलाशने के चक्कर में सहयोगियों की जीत की संभावनाओं को भी पूरी तरह पलीता लगा दिया।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल हिंदी भाषी राज्य में, जहाँ बीजेपी जैसी मजबूत, अनुशासित और संसाधनों से लैस राजनीतिक मशीनरी से दो-दो हाथ करना है, यदि विपक्ष के भीतर ही सीटों के गणित और अहंकार को लेकर ऐसी तलवारें खिंची रहीं, तो यह मुकाबला परवान चढ़ने से पहले ही दम तोड़ देगा। बहरहाल, आराधना मिश्रा को आगे कर कांग्रेस भले ही रिश्तों में नरमी और समन्वय का दिखावा कर रही हो, लेकिन इमरान मसूद और राजेंद्र पाल गौतम जैसे नेताओं के तीखे और आक्रामक तेवर यह चीख-चीखकर बता रहे हैं कि 2027 के रण से पहले सीट शेयरिंग का यह दंगल अभी और भयानक रूप लेने वाला है।

क्या प्रियंका गांधी की परदे के पीछे की यह जिद बीजेपी के मजबूत विजय रथ को रोकने में मददगार साबित होगी या फिर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इस नाव को बीच मझधार में ही डुबो देगी, यह तो आने वाला वक्त ही तय करेगा। फिलहाल, उत्तर प्रदेश की सियासी फिजाओं में एक ही सवाल सबसे बड़ा बना हुआ है कि क्या कांग्रेस अपनी पुरानी गलतियों से कोई सबक सीखेगी या फिर अपने ही सहयोगियों का भरोसा कुचलकर खुद को पूरी तरह हाशिए पर धकेल देगी?

पर्दे पर आग, जिंदगी में मिट्टी की सोंधी खुशबू

नाना पाटेकर : जिसकी आवाज ने व्यवस्था को ललकारा और जिसकी जिंदगी ने सादगी का अर्थ समझाया

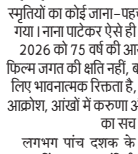

आचार्य डॉ. अजय आर्य,
प्रख्यात विचारक एवं लेखक

कुछ कलाकार पर्दे पर आते हैं और चले जाते हैं, कुछ अपनी भूमिकाओं से याद रह जाते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जिनके जाने पर लगता है जैसे हमारी अपनी स्मृतियों का कोई जाना-पहचाना स्वर अचानक मौन हो गया। नाना पाटेकर ऐसे ही कलाकार थे। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की आयु में उनका निधन केवल फिल्म जगत की क्षति नहीं, बल्कि उन करोड़ों दर्शकों के लिए भावनात्मक रिक्तता है, जिन्होंने उनकी आवाज में आक्रोश, आंखों में करुणा और अभिनय में अपने समय का सच देखा।

लगभग पांच दशक के अपने अभिनय जीवन में गमन, परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर, तिरंगा, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, नटसम्राट और वेलकम जैसी फिल्मों में उन्होंने ऐसे चरित्र गढ़े, जिन्हें केवल अभिनय कहना उनके साथ अन्याय होगा। वे पात्रों को निभाते नहीं थे, उनमें उतर जाते थे। उनकी आवाज में संवाद कम और जीवन की बेचैनी अधिक सुनाई देती थी।

मुंबई कर्मभूमि थी, गांव आत्मभूमि

नाना की सबसे बड़ी विशेषता उनका सहज मनुष्य बने रहना था। वे कहते थे कि वे फिल्म इंडस्ट्री के आदमी नहीं हैं – काम हो तो मुंबई आते हैं और काम पूरा होने पर गांव लौट जाते हैं। करोड़ों की प्रसिद्धि के बावजूद उनका मन खेतों, पशुओं, पहाड़ों और गांव की खुली हवा में रमता था। सीमित आवश्यकताओं में सुख खोजने वाला यह जीवन उनके व्यक्तित्व की सबसे खूबसूरत पहचान था। मुंबई ने उन्हें सितारा बनाया, लेकिन गांव ने उन्हें नाना बनाए रखा। यही मिट्टी शायद उनके अभिनय की संवेदना का स्रोत भी थी। पर्दे पर वे जितने कठोर दिखाई देते थे, भीतर उतने ही करुणाशील थे।



संवादों में आग, भीतर करुणा

नाना की आवाज हिंदी सिनेमा की पहचान बन गई थी। तिरंगा का तेवर, प्रहार की सैनिक चेतना, यशवंत का आक्रोश और अब तक छप्पन की कठोरता – हर भूमिका में उनकी आवाज चरित्र की आत्मा बन जाती थी। क्रांतिवीर में हिंदू-मुसलमान के खून को लेकर उठाया गया उनका सवाल आज भी भीतर तक उतरता है। वह केवल फिल्मी संवाद नहीं था, मनुष्य को उसकी धार्मिक पहचान से पहले मनुष्य मानने की पुकार थी।

उनके संवाद पर्दे पर समाप्त नहीं होते थे। वे लोगों की जुबान पर आ जाते थे, क्योंकि उनमें अभिनय से अधिक जीवन बोलता था। यही कारण है कि नाना की आवाज आज भी स्मृति में उतनी ही जीवंत है।

नाना के व्यक्तित्व का दूसरा पक्ष उनके देश और समाज के प्रति सरोकार में दिखाई देता है। किसानों की पीड़ा ने उन्हें भीतर तक छुआ। नाम फाउंडेशन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों के लिए किए गए प्रयास हों या सैनिकों के प्रति उनका सम्मान, उन्होंने यह साबित किया कि देशप्रेम केवल पर्दे पर बोले जाने वाला संवाद नहीं, बल्कि जरूरत के समय संवेदना के साथ खड़े होने का नाम है।

यही कारण है कि उनके अभिनय में आक्रोश भी विश्वसनीय लगता था और करुणा भी। वे केवल चरित्र की बाहरी भाषा नहीं बोलते थे, उसकी अंतरात्मा को आवाज देते थे। शायद इसीलिए उनका कोई संवाद सुनते ही केवल अभिनेता का चेहरा नहीं, उसके पीछे खड़ा पूरा चरित्र आंखों के सामने उभर आता था।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी विरासत उनके पुरस्कार नहीं, उनका मनुष्य बने रहना है। उन्होंने दिखाया कि ऊंचाई पर पहुंचकर भी जड़ों से जुड़ा जा सकता है; प्रसिद्धि के बीच भी सादगी बचाई जा सकती है और कठोर चेहरा रखने वाला मन भीतर से बेहद कोमल हो सकता है। आज उनका शरीर नहीं है, लेकिन उनकी आवाज है – क्रांतिवीर के सवालों में, तिरंगा के तेवर में, नटसम्राट की पीड़ा में और उस गांव की मिट्टी में, जिसे उन्होंने कभी अपने जीवन से अलग नहीं होने दिया।

नाना पाटेकर को याद करना केवल एक महान अभिनेता को याद करना नहीं है। यह उस मनुष्य को याद करना है, जिसने पर्दे पर आग दिखाई, जीवन में करुणा बचाए रखी और प्रसिद्धि के शोर के बीच मिट्टी की सोंधी खुशबू को अपना परिचय बनाए रखा। पर्दे पर वे क्रांतिवीर थे, लेकिन जिंदगी में मिट्टी के आदमी। और शायद यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है – उन्होंने अभिनय से हमें प्रभावित किया, लेकिन अपने जीवन से सरल और सच्चा बने रहने की प्रेरणा दी।

कविता का कोना

कलम चलाई

पर पीड़ा के भाव लिखें हैं, मन की
व्यथा सामने आयी,
यह कोई चातुर्य नहीं है, शब्दों ने
है कलम चलायी।

दर्द भरे रिश्ते घावों पर, भीनी
चादर अभी बिछायी,
अभी मुखर हो आई पीड़ा, तुमने
सोचा कलम चलायी।

मेरे आँसू बरस पड़े हैं, नहीं
छिपाना इनको आया,
जब देखो बाहर आ जाते, वन
उपवन हो या हो छाया।

मैं आँसू की गठरी बाँधे, एक कोने
में शान्त खड़ी थी,
पर पीड़ा को देख ना पायी, दुख में
उनके साथ खड़ी थी।

पीड़ित शापित जन की पीड़ा, मन
के भाव जगाने आयी,
सबकी दुआ माँगती प्रभु से, तुम
कहते हो कलम चलायी।

सभी सुखी हों सभी स्वस्थ हों,
मेरा अंतस हर पल गाता,
कब तक सबके कर्म गिनोगे, तेरा
गणित समझ ना आता।

दो दिन का यह छोटा जीवन,
सबकी करते चलो भलाई,
सब अपने हैं सब हैं परिजन, ऐसी
मैंने कलम चलायी।

पर पीड़ा के भाव लिखें हैं, मन की
व्यथा सामने आयी,
यह कोई चातुर्य नहीं है, शब्दों ने
है कलम चलायी।



छत्तीसगढ़ रत्न डॉ शिरोमणि
माथुर दल्ली राजहरा

तेलीबांधा चौक रायपुर का नाम बदलने की घोषणा का प्रदेश युवा प्रकोष्ठ ने किया विरोध

मुकेश साहू ने कहा—तेलीबांधा नाम छत्तीसगढ़ की पहचान और साहू समाज के इतिहास से जुड़ा, नाम बदलने का प्रयास हुआ तो किया जाएगा आंदोलन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



मुख्यमंत्री द्वारा राजधानी रायपुर के तेलीबांधा चौक का नाम परिवर्तन करने की घोषणा के बाद इस निर्णय को लेकर विरोध के स्वर सामने आने लगे हैं। प्रदेश युवा प्रकोष्ठ के सचिव मुकेश साहू ने तेलीबांधा चौक का नाम बदले जाने की घोषणा का कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि तेलीबांधा नाम केवल एक स्थान का नाम नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की सामाजिक पहचान, परंपरा और विशेष रूप से साहू समाज के इतिहास एवं गौरव से जुड़ा हुआ है।

मुकेश साहू ने कहा कि तेलीबांधा नाम को हटाकर किसी अन्य नाम से चौक की पहचान स्थापित करने का प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि तेलीबांधा स्थान का नाम बदलने की कोशिश की गई तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक एवं सामाजिक पहचान से जुड़े नाम को बदलने से पहले स्थानीय नागरिकों और संबंधित समाज की भावनाओं एवं ऐतिहासिक संदर्भों का सम्मान किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि तेलीबांधा चौक की पहचान वर्षों से इसी नाम से रही है। इस नाम के साथ स्थानीय इतिहास, सामाजिक स्मृतियां और लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। ऐसे में केवल प्रशासनिक अथवा राजनीतिक निर्णय के आधार पर इसका नाम बदलना उचित नहीं होगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि तेलीबांधा चौक के नाम को यथावत रखा जाए और इस संबंध में किसी भी प्रकार की आगे की कार्रवाई पर पुनर्विचार किया जाए।

छत्तीसगढ़ की पहचान से जुड़े नामों के संरक्षण की मांग

मुकेश साहू ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से जुड़े प्रतीकों एवं नामों में बदलाव की घटनाएं सामने आती रही हैं। उनके अनुसार, तेलीबांधा चौक का नाम परिवर्तन इसी व्यापक चिंता का एक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान रही है और यहां के स्थानों, चौक-चौराहों तथा ऐतिहासिक प्रतीकों के नाम स्थानीय इतिहास और समाज की स्मृतियों को प्रतिबिंबित करते हैं। इसलिए विकास या प्रशासनिक पुनर्गठन के नाम पर ऐसे नामों को बदलने से पहले उनके सामाजिक और ऐतिहासिक महत्व पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मुकेश साहू ने कहा कि तेलीबांधा नाम को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा कि उसे हटाकर कोई दूसरा नाम स्थापित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल नाम परिवर्तन का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की स्थानीय पहचान और ऐतिहासिक स्मृतियों के संरक्षण का विषय है।

सरकार से निर्णय को वापस लेने का मांग

प्रदेश युवा प्रकोष्ठ के सचिव ने मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार से मांग की कि तेलीबांधा चौक के नाम परिवर्तन की घोषणा पर पुनर्विचार किया जाए तथा तेलीबांधा नाम को यथावत रखा जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार द्वारा नाम परिवर्तन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है तो प्रदेश के सामाजिक संगठनों, युवाओं और नागरिकों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य किसी व्यक्ति अथवा संस्था का विरोध करना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान से जुड़े नामों के संरक्षण की मांग करना होगा।

मुकेश साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की मिट्टी, परंपराओं, लोक संस्कृति, सामाजिक इतिहास और वर्षों से प्रचलित नामों से बनती है। इसलिए इन पहचान-चिह्नों को संरक्षित रखना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने पुनः दोहराया कि तेलीबांधा चौक का नाम किसी भी परिस्थिति में बदला नहीं जाना चाहिए और यदि नाम परिवर्तन का प्रयास किया गया तो प्रदेश युवा प्रकोष्ठ इसके विरोध में व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन करेगा।

खास खबर

मोदी जी के सेवा-सुशासन के 25 वर्ष विकसित भारत के संकल्प को समर्पित : रेखराम बंछोर

नई दृष्टिबिंदु / जामुल



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पालिका परिषद जामुल द्वारा दो दिवसीय सेवा संकल्प अभियान चलाया गया। इसके तहत वार्ड-1 और वार्ड-16 के मंगल भवन में शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया।

शिविर में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आवास, स्वनिधि, नल-जल योजना, व्यापार अनुज्ञप्ति, निवासी प्रमाण पत्र सहित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने लाभ लिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर, पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर, भाजपा मंडल अध्यक्ष बंटी गुप्ता, वरिष्ठ पार्षद कविता बिस्वाल, चुम्मन वर्मा, खम्मन ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रविकांत साहू सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग किया।

विपक्षी नेताओं के आंदोलन के दमन के विरोध में कांग्रेस ने मनाया काला दिवस



भिलाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-3 के नेतृत्व में 8 अक्टूबर को बीएसएनएल चौक, सेक्टर-1 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काला दिवस मनाकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-3 के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस एवं विपक्ष के शीर्ष नेताओं द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन किए जाने के बावजूद दिल्ली पुलिस द्वारा कथित रूप से जोर-जबरदस्ती कर आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किए जा रहे आंदोलन से केंद्र की भाजपा सरकार बौखला गई है और दबावपूर्वक आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। सौरभ मिश्रा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान की रक्षा के लिए लगातार अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। कार्यक्रम में जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, पार्षद सुरेश वर्मा, हरीश सिंह, राजेंद्र अपाले, प्रमोद प्रभाकर, रमाकांत दिशा लहरें, पूर्व पार्षद श्याम सुंदर राव, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, रोशन रिजवी, लोकेश, प्रणय गाडगे, आकाश यादव, प्रेम कुमार, नंद कुमार यादव, मनोज प्रधान, न्यूब सिंह, विकास यादव, विशाल यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

काला दिवस के तहत दुर्ग शहर में कांग्रेस का क्रमबद्ध विरोध प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के तत्वावधान एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में शहर के पांचों ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा क्रमबद्ध रूप से विरोध प्रदर्शन, आक्रोश रैली एवं पुतला दहन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता, संविधान की रक्षा तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। विभिन्न स्थानों पर आयोजित प्रदर्शनों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आम नागरिकों की भी सहभागिता रही।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि कांग्रेस का यह प्रदर्शन लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता, संविधान की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित किया गया है। कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आपत्तियां और मांगें जनता के बीच रख रही है तथा संवैधानिक संस्थाओं से पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक अधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों को लेकर आगे भी शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

कार्यक्रम की शुरूआत दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा महाराजा चौक में विरोध प्रदर्शन के साथ हुई। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया एवं मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े मुद्दों को लेकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारे लगाते हुए पुतला दहन किया। इसके बाद पश्चिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा चंडी चौक में जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही की मांग उठाई। नारेबाजी के बाद यहां भी पुतला दहन किया गया।

मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से आक्रोश रैली निकाली गई, जो 5 कंडील पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया को लेकर कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराया। 5 कंडील पहुंचने के बाद प्रदर्शन एवं नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में आम नागरिकों की भी सहभागिता देखने को मिली।

पूर्वी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा अग्रसेन चौक में आक्रोश रैली निकाली गई। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रैली के रूप में पहुंचे और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों एवं चुनावी व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं। इसके बाद पुतला दहन किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा भारत माता चौक, सिकोलाभाटा में विरोध प्रदर्शन किया गया। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनावी पारदर्शिता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता एवं संविधान की रक्षा को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद पुतला दहन किया गया। यहां भी स्थानीय नागरिकों की सहभागिता रही।

दक्षिण, पश्चिम, मध्य, पूर्वी एवं उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर आयोजित इस क्रमबद्ध कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर लोकतंत्र एवं चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कहा गया कि कांग्रेस आगे भी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से जनता से जुड़े मुद्दों को उठाती रहेगी तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग जारी रखेगी।

प्रदर्शन में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, मध्य ब्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष गुरदीप भाटिया, पूर्वी ब्लॉक अध्यक्ष मनीष बघेल, उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष देवश्री साहू, प्रवक्ता नासिर खोखर, सुशील भारद्वाज, प्रेमलता साहू, अजय शर्मा, पोषण साहू, दुष्यंत देवांगन, राहुल शर्मा, लखन साहू, विजय चंद्राकर, निकिता, मिलन देव सिंह, सुमित घोष, शिशिर कसर, मनीष सोनवानी, संजय बत्रा, आयुष शर्मा, अली असगर, जगमोहन डिमर, चिराग शर्मा, सुरेंद्र ठाकुर, विजेंद्र भारद्वाज, बृजमोहन तिवारी, राजकुमार वर्मा, शाहिद खान, भूपेंद्र सेन, दीपक जैन, हेमंत तिवारी, फिरोज खान, अनस चतुवेदी, भूपेंद्र वर्मा, इंद्रपाल भाटिया, रफीक खान, गुनगुन रावत, लोकेश देशमुख, सुधीर चंदेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जामुल में लोक धरोहर से गूंजा छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति का रंग

नई दृष्टिबिंदु / जामुल



सेवा संकल्प अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 3 जामुल में बुधवार को लोक धरोहर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भिलाई जिला संगठन के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में जामुल मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की लोक कला, संस्कृति और परंपरा और पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने लोकगीत एवं लोकनृत्य के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना रहा। इस अवसर पर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रेखाराम बंछोर, श्री राम जन्मोत्सव समिति जामुल प्रखंड के अध्यक्ष अरुण सिंह, जामुल मंडल महामंत्री ओमप्रकाश साहू, वरिष्ठ पूर्व पार्षद वार्ड क्रमांक 4 मेघनाथ साहू, मंडल मीडिया प्रभारी संजय यादव, महिला नेत्री रश्मि वर्मा, बूथ अध्यक्ष डउवा राम ठाकुर, बजरंग सिन्हा, युवा मोर्चा महामंत्री अनूप राय, कमलेश मेश्राम सहित पार्टी के ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और नागरिकों ने लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयासों की सराहना की। सेवा, संस्कृति और समाज के प्रति समर्पण को कार्यक्रम का प्रमुख संदेश बताया गया।

विशेष लेख

लोकनायक जयप्रकाश नारायण : संपूर्ण क्रांति का अमर स्वर



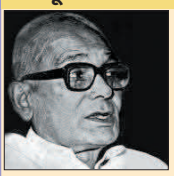

आलोक तिवारी

कल 8 अक्टूबर को भारतीय समाजवादी राजनीति के सबसे प्रखर, सबसे नैतिक और सबसे निर्भीक स्वर, लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि थी। 1979 में इसी दिन वह शरीर छूटा था, जिसने आजाद भारत की दिशा को दो बार सबसे निर्णायक मोड़ पर मोड़ा था। एक बार 1942 में और दूसरी बार 1974 में।

जयप्रकाश नारायण का जीवन किसी एक विचारधारा में नहीं बंधता। वे जीवन भर प्रयोगधर्मी रहे। अमेरिका में पढ़ते हुए मार्क्सवाद से प्रभावित हुए, लौटकर कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी बनाई, गांधी के सानिध्य में सर्वोदय की ओर मुड़े, विनोबा के भूदान आंदोलन में अपनी पूरी जमीन दान कर दी, और अंत में जब लगा कि लोकतंत्र ही खतरे में है, तो संपूर्ण क्रांति का बिगुल फूंका। यह वैचारिक यात्रा किसी भटकाव की नहीं, बल्कि सत्य की निरंतर खोज की यात्रा थी।

1942 के विलक्षण नायक

आज की पीढ़ी जेपी को केवल 1974 के आंदोलन से जानती है, लेकिन उनका पहला विलक्षण अवतार 1942 में दिखा था। जब महात्मा गांधी ने 'भारत छोड़ो' आंदोलन का आह्वान किया और देश के सभी बड़े नेता गिरफ्तार हो गए, तब एक युवा जेपी ने हजारीबाग सेंट्रल जेल की दीवार फांदकर इतिहास रचा। जेल से भागकर उन्होंने नेपाल में जाकर 'आजाद दस्ता' बनाया और सशस्त्र प्रतिरोध की गुरिल्ला रणनीति अपनाई। अंग्रेज हुकूमत उन्हें सबसे खतरनाक विद्रोही मानती थी। वह साहस केवल एक स्वतंत्रता सेनानी का नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति का था जो मानता था कि आजादी मांगने से नहीं, छीनने से मिलती है।

सत्ता से दूर रहकर सत्ता को झकझोरने वाले

आजादी के बाद जेपी ने जो किया, वह आज के राजनीतिज्ञों के लिए कल्पना से परे है। नेहरू ने उन्हें मंत्री बनने, राजदूत बनने, बड़े से बड़ा पद लेने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने सब ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, मैं सत्ता के बाहर रहकर लोकतंत्र का पहरेदार बनना चाहता हूं। यह वह दौर था जब वे राजनीति से संन्यास लेकर विनोबा भावे के साथ भूदान आंदोलन में पैदल चल रहे थे, गांव-गांव जाकर जमींदारों से जमीन मांगकर भूमिहीनों में बांट रहे थे। उनका मानना था कि सच्चा समाजवाद संसद से नहीं, गांव की झोपड़ी से आएगा।

लेकिन 1970 के दशक की शुरुआत में जब उन्होंने देखा कि भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और सत्ता का अहंकार चरम पर है, तो वह फकीर फिर मैदान में लौट आया। गुजरात के नवनिर्माण आंदोलन और बिहार के छात्र आंदोलन ने उन्हें पुकारा। 5 जून 1974 को पटना के गांधी मैदान में लाखों छात्रों के सामने उन्होंने 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया।

संपूर्ण क्रांति क्या थी? यह केवल सरकार को हटाने का आंदोलन नहीं था। जेपी ने स्पष्ट कहा था - संपूर्ण क्रांति सात क्रांतियों का संगम है - राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक क्रांति। वे कहते थे, जब तक व्यक्ति नहीं बदलेगा, व्यवस्था नहीं बदलेगी। वे सिर्फ विधानसभा भंग नहीं कराना चाहते थे, वे आदमी के भीतर बैठे भ्रष्टाचार को भंग कराना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने छात्रों से कहा था - शराब छोड़ो, दहेज छोड़ो, जात-पात तोड़ो।

इमरजेंसी व लोकतंत्र की आत्मा

संपूर्ण क्रांति की सबसे बड़ी परीक्षा 25 जून 1975 की रात को आई, जब देश में आपातकाल लगा दिया गया। जेपी को गिरफ्तार कर चंडीगढ़ जेल में रखा गया। किडनी की बीमारी से उनका शरीर टूट रहा था, लेकिन हौसला नहीं टूटा। जेल में उन्होंने डायरी लिखी, जो बाद में 'मेरी जेल डायरी' के रूप में प्रकाशित हुई। वह केवल डायरी नहीं, लोकतंत्र की गीता है।

उन्होंने जेल से ही विपक्षी दलों को एक होने का संदेश दिया। 1977 में जब जनता पार्टी बनी और चुनाव में सत्ता परिवर्तन हुआ, तो पूरी दुनिया ने देखा कि एक दुबला-पतला, बीमार व्यक्ति बिना कोई चुनाव लड़े, बिना कोई पद लिए, सत्ता का समीकरण कैसे पलट सकता है। वह भारतीय लोकतंत्र का सबसे महान क्षण था।

आज क्यों और भी प्रासंगिक हैं जेपी?

आज जब हम जेपी को याद करते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या संपूर्ण क्रांति सफल हुई? सत्ता तो बदली, लेकिन क्या व्यवस्था बदली? क्या भ्रष्टाचार खत्म हुआ? शायद पूरी तरह नहीं। और यहीं पर जेपी आज और भी प्रासंगिक हो जाते हैं।

जेपी ने हमें सिखाया था कि लोकतंत्र केवल वोट देने का नाम नहीं है। लोकतंत्र एक सतत आंदोलन है, एक नैतिक निगरानी है। उन्होंने कहा था - जनता जब सो जाती है, तो नेता तानाशाह बन जाते हैं। आज जब सार्वजनिक जीवन में नैतिकता का संकट गहरा रहा है, जब भ्रष्टाचार नए-नए रूपों में सामने आ रहा है, तब जेपी का वह मंत्र याद आता है - 'भ्रष्टाचार मिटाना है तो ऊपर से नहीं, नीचे से, अपने आप से शुरू करो।'

उस युवक ने जिसने अमेरिका की स्कॉलरशिप छोड़ी, जिसने आजादी के लिए जेल की दीवार फांदी, जिसने सत्ता के हर प्रस्ताव को ठुकराया, वह हमें आज भी पूछ रहा है - क्या तुम अपने गांव, अपने समाज के लिए खड़े हो सकते हो?

लोकनायक का शरीर 8 अक्टूबर 1979 को चला गया, लेकिन उनकी पुकार नहीं गई। जब तक इस देश में एक भी छात्र अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएगा, एक भी किसान अपनी जमीन के लिए लड़ेगा, एक भी नागरिक भ्रष्टाचार के खिलाफ कलम उठाएगा, तब तक जयप्रकाश नारायण जीवित रहेंगे।

लोकनायक को शत-शत नमन।

निगम की कार्रवाई आवागमन के लिए मेसर्स अंजनी डेवलपर्स द्वारा अनाधिकृत रूप से पेड़ों की कटाई करते हुए अस्थायी पहुंच मार्ग तैयार किया जा रहा था

शासकीय भूमि पर अनाधिकृत पहुंच मार्ग बनाने की कोशिश पर निगम की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के ग्राम जुनवानी में शासकीय भूमि से लगकर निजी भूमि तक अनाधिकृत रूप से पहुंच मार्ग बनाए जाने की सूचना मिलते ही निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। आयुक्त के निर्देश पर जोन क्रमांक-01 एवं भवन अनुज्ञा शाखा की टीम ने मौके पर पहुंचकर शासकीय भूमि पर बनाए जा रहे अस्थायी पहुंच मार्ग को ध्वस्त करने की कार्रवाई की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जुनवानी के खसरा क्रमांक 199 की भूमि शासकीय भूमि के रूप में दर्ज है। इसी शासकीय भूमि से लगी खसरा क्रमांक 130 एवं 140 के कुछ हिस्से तक आवागमन के लिए मेसर्स अंजनी डेवलपर्स द्वारा अनाधिकृत रूप से पेड़ों की कटाई करते हुए अस्थायी पहुंच मार्ग तैयार किया जा रहा था। इसकी मौखिक सूचना निगम आयुक्त को प्राप्त होते ही उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मौके पर भेजा। निगम की टीम ने सुबह करीब 10 बजे स्थल पर पहुंचकर शासकीय भूमि पर बनाए जा रहे अनाधिकृत अस्थायी पहुंच मार्गों को ध्वस्त कर दिया। निगम द्वारा मार्ग की पर की गई कार्रवाई से शासकीय भूमि पर बिना अनुमति किसी प्रकार का मार्ग अथवा निर्माण करने की कोशिश को रोक दिया गया।

भूईयां पोटल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार खसरा क्रमांक 130 एवं 140 के संबंधित भाग के भू-स्वामी मेसर्स अंजनी डेवलपर्स हैं। प्रथम दृष्टया शासकीय भूमि से होकर मुख्य मार्ग से निजी भूमि तक अवैध पहुंच मार्ग बनाए जाने का प्रयास प्रतीत होने पर निगम द्वारा संबंधित संस्था को सूचना प्रेषित की गई है। मामले में निगम द्वारा नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, दुर्ग से भी पत्राचार किया गया है।

इसमें शासकीय भूमि से लगी निजी भूमि के संबंध में किसी संस्था अथवा व्यक्ति को विकास अनुज्ञा प्रदान किए जाने की स्थिति एवं उससे संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। इसके साथ ही शासकीय भूमि के संरक्षण एवं आवश्यक राजस्व कार्रवाई के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, दुर्ग को भी मामले की सूचना दी गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर बिना अनुमति किसी प्रकार का अतिक्रमण, निर्माण अथवा अनाधिकृत पहुंच मार्ग बनाने की कार्रवाई को स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सेवा संकल्प शिविर का वार्ड 31 से 40 तक के नागरिकों ने लिया लाभ



भिलाई-चरौदा। नगर निगम भिलाई-चरौदा प्रशासन द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को वार्ड क्रमांक 38 सोमनी स्थित सामुदायिक भवन में सेवा संकल्प शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड क्रमांक 31 से 40 तक के नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। शिविर में स्वच्छता एवं सफाई से जुड़े विषयों के साथ नागरिकों की विभिन्न मांगों और शिकायतों से संबंधित आवेदन भी लिए गए। निगम सहित संबंधित विभागों के कर्मचारी अपने-अपने काउंटर पर मौजूद रहे। उन्होंने नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन प्रक्रिया में भी सहयोग किया। शिविर में पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ लिया तथा अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन अधिकारियों को सौंपे। अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। निगम प्रशासन के अनुसार, सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य शासकीय योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर निराकरण करना है। ऐसे शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' की जिला स्तरीय कार्यशाला ICAI भवन में आज

दुर्ग। युवाओं और विद्यार्थियों में नवाचार एवं स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 9 अक्टूबर 2026 को सिविक सेंटर स्थित आई.सी.ए.आई. भवन में जिला स्तरीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' के तहत भाग लेने के तरीकों, मेंटरशिप, फंडिंग और शासकीय सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। इसमें जिले के कॉलेजों, तकनीकी संस्थानों के छात्र-छात्राएं और युवा नवान्वेषक हिस्सा ले सकते हैं। इच्छुक युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।



रघुबीर यादव ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातें की

'पंचायत' के प्रधान जी यानी रघुबीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है 'ओम का हरि'। इन सबको लेकर वो खूब चर्चे में है। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें की हैं।

बीते सालों में रघुबीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, 'इतने सालों से मैंने खुद को रियाज से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूं, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूं कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिद्दत में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएसडी रेपर्टरी में था। 'बेगम का तकिया' और 'मुख्यमंत्री' जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को डंपूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो गया, तो फिर बस छाती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।'

भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूं, अपने रोल के साथ न्याय करूं, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बॉम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, 'आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?' मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही हैं? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोली, 'आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?' मैंने कहा, 'मैं नया-नया आया हूं, घर चलाने के लिए काम तो करना है।'

उन्होंने कहा, 'आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।' उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभ गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।'

रघुबीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता -पुत्र के बीच जनरेशन गैप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुबीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अबीर) के पिता है। वे कहते हैं, 'हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पिटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, 'मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।' रघुबीर का मानना है कि बच्चों और पैरंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, 'न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अबीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।'





आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों 'हनुमान अंश' और 'ऑक्सीजन' की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बनें और सीधे दर्शकों से जुड़ें। हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि 'हनुमान अंश' और 'ऑक्सीजन' दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, 'हनुमान अंश और ऑक्सीजन दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है।'

आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेंजिल डायस भी मौजूद थे। 'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहैल नय्यर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुबीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और रिस्मता तांबे जैसे कलाकार हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

निरहुआ संग डेटिंग की खबरों पर आम्रपाली दुबे ने तोड़ी चुप्पी



भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। दोनों की जोड़ी भोजपुरी फिल्मों में काफी पसंद की जाती है और लंबे समय से उनकी दोस्ती को लेकर तरह-तरह की बातें होती रही हैं। कई बार दोनों के डेटिंग की खबरें भी सामने आईं, लेकिन आम्रपाली ने अब 'बिग बॉस 20' के घर में इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है। को-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत में उन्होंने निरहुआ के साथ अपनी बॉन्डिंग, दोस्ती और शादी को लेकर होने वाली बातों का जिक्र किया। दिनेश लाल यादव के बारे में बात करते हुए आम्रपाली दुबे ने बताया कि जब वह भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थीं, तब दिनेश उनके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच दोस्ती इतनी गहरी है कि कई बार बिना कुछ कहे ही हम एक-दूसरे की बात समझ जाते हैं।

आम्रपाली ने कहा, ''जब मैं भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थी, तब मेरे बेस्ट फ्रेंड दिनेश थे। आज तक ऐसा है कि अगर इस कमरे में आठ लोग हैं और मुझे उन आठ लोगों से कुछ कहना है, तो मुझे दिनेश जी से कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं बस उनकी तरफ देखूंगी और वह समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाहती हूं। फिर वह हंसना शुरू कर देंगे। दोस्तों की दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए। नो-फिल्टर फ्रेंडशिप।'' इसके बाद आम्रपाली ने उन खबरों पर भी बात की, जिनमें दोनों को एक-दूसरे को डेट करने की बात कही जाती है। वह कहती है, ''लोग सोचते हैं कि दिनेश और मैं डेट कर रहे हैं। बेचारे दिनेश तो यह कहते-कहते परेशान हो गए हैं कि मुझे अपनी जिंदगी में किसी से शादी कर लेनी चाहिए। मैं उन्हें क्या बताऊं? असल में लोगों को लगता है कि शादी करना बहुत आसान है। उन्हें समझ नहीं आता कि हम लड़कियों को कई सालों में जो कुछ बनाया है, उसे छोड़ना पड़ता है। इसलिए लड़कों के लिए यह कहना बहुत आसान है कि शादी कर लो।''



आम्रपाली और निरहुआ की बात करें, तो दोनों की जोड़ी पहली बार 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' में साथ नजर आई थी। यह फिल्म आम्रपाली के भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू के तौर पर भी खास थी। इससे पहले वह हिंदी टीवी शोज में काम कर चुकी थीं। 'सात फेरे: सलोनी का सफर', 'मायका' और 'रहना है तेरी पलकों की छांव में' जैसे शोज में आम्रपाली नजर आई थीं। 'निरहुआ हिंदुस्तानी' की सफलता के बाद दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में काफी लोकप्रिय हो गई। दोनों को 'पटना से पाकिस्तान', 'निरहुआ रिक्शावाला 2', 'राजा बाबू', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 2', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 3', 'निरहुआ चलल लंदन' और 'शेर सिंह' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। इसे लगातार साथ काम करने और मजबूत केमिस्ट्री की वजह से दोनों के रिश्ते को लेकर भी लंबे समय से चर्चा होती रही है।



22 साल पहले आई थी गौरी की पहली फिल्म

शाहरुख खान साढ़े तीन दशकों से बॉलीवुड में काम कर रहे हैं. उनके दीवाने दुनियाभर में हैं. जहां एक तरफ शाहरुख खान हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार हैं, तो वहीं उनकी फैमिली के बाकी लोग भी किसी न किसी तरह फिल्म बिजनेस से जुड़े हुए हैं. जैसे- उनके बेटे आर्यन खान डायरेक्टर हैं, बेटी सुहाना एक्ट्रेस हैं और उनकी पत्नी गौरी खान फिल्म प्रोड्यूसर हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि गौरी ने किस पिक्चर के जरिए फिल्म प्रोडक्शन की दुनिया में एंट्री की थी. जहां एक तरफ गौरी इंटीरियर डिजाइनर हैं, तो वहीं दूसरी तरफ वो शाहरुख के साथ मिलकर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट कंपनी चलाती हैं. इसी कंपनी के बैनर तले गौरी फिल्में प्रोड्यूस करती हैं. साल 2002 में इस कंपनी की स्थापना हुई थी. उसके 2 साल के बाद ही बतौर प्रोड्यूसर गौरी की पहली फिल्म आई थी. वो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी. आज यानी 8 अक्टूबर को गौरी का 56वां जन्मदिन है. इस मौके पर चलिए उनकी पहली फिल्म के बारे में जानते हैं.गौरी खान ने साल 2004 में आई फिल्म 'मैं हूं ना' के जरिए प्रोड्यूसर के तौर पर बॉलीवुड में डेब्यू किया था. फराह खान के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में शाहरुख खान सेन हीरो के रोल में नजर आए थे. एक्टर होने के साथ-साथ शाहरुख भी गौरी के साथ इस फिल्म से बतौर प्रोड्यूसर जुड़े हुए थे. खास बात ये है कि गौरी की पहली फिल्म होने के साथ-साथ ये फराह खान की भी पहली फिल्म थी. उन्होंने इसी पिक्चर से डायरेक्शन की दुनिया में कदम रखा था. 'मैं हूं ना' में शाहरुख खान के साथ-साथ जायद खान, सुष्मिता सेन, अमृता राव, सुनील शेट्टी, नसीरुद्दीन शाह और बोमन ईरानी जैसे स्टार्स भी नजर आए थे. फिल्म लोगों को काफी पसंद आई थी और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस भी हुआ था. बॉक्स ऑफिस इंडिया के अनुसार 'मैं हूं ना' का बजट 25 करोड़ रुपये था और दुनियाभर में इस फिल्म ने 73.30 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं।



फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर फ्लॉप होगी मेरे शब्द याद रखना।' वही दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा।

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।



'दृश्यम 3' के लिए इमोशनल हुईं शिवालिका ओबेरॉय

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूज़न' रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाईं, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातें और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है। दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूं और अगर आपने 'दृश्यम' देखी है, तो आप जानते ही है, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।' अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।



निया को नहीं मिल रहा इंडस्ट्री में कोई काम

टीवी इंडस्ट्री की खूबसूरत और बिंदास एक्ट्रेस निया शर्मा के अंदाज से हर कोई वाकिफ है. निया शर्मा को हम असल हॉट अवतार में ही देखते है. टीवी पर जलवे बिखेरने वाली निया शर्मा ने कई सीरियल और शोज में काम किया है. उनके अभिनय की तारीफ भी लोगों ने खूब की है. लेकिन निया काफी दिनों से टीवी की दुनिया से दूर हैं. उनके प्रशंसक आए दिन उनसे वापसी को लेकर सवाल करते रहते हैं. साथ ही उन्हें टीवी सीरियल्स में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. कई बार तो फैंस ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी कमेंट करके उनकी वापसी के लिए पूछा , लेकिन तब उन्होंने इस बारें में चुप्पी बनाए रखी. वहीं, अब बॉलीवुड बबल को दिए हुए इंटरव्यू में उन्होंने ये खुलासा किया है कि उनके पास करने के लिए कोई काम ही नहीं है.आपको पता दें कि, बोल्ड ब्यूटी निया शर्मा ने साल 2010 में टीवी की दुनिया में कदम रखा था. इसके बाद उन्होंने 'एक हजारों में मेरी बहना है', 'जमाई राजा', 'इश्क में मरजावां' और 'नागिन 4' जैसे कई बड़े शोज किए, निया पिछले 2 सालों से टीवी की दुनिया से दूर हैं. बताया जा रहा है कि अब वो अपना करियर म्यूजिक की दुनिया में बूंद रही हैं. जल्द ही उनका एक नया म्यूजिक वीडियो लोगों के सामने आने वाला है. इस वीडियो के प्रमोशन के दौरान निया ने इतने दिन दूर रहने की वजह बताई है. निया ने अपनी चुप्पी को तोड़ते हुए कहा है कि काफी लोगों को लगता है कि मैंने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया है लेकिन ऐसा नहीं है.निया ने टीवी एक्टर्स की काबिलियत की तारीफ करते हुए कहा है कि हम वो लोग हैं जो कभी भी ब्रेक नहीं लेते. उन्होंने अपनी उम्र की तरफ इशारा करते हुए कहा है कि हमारी अभी ऐसी कोई उम्र नहीं है कि हमें ब्रेक लेने की जरूरत पड़े. मैं अभी एक भिखारी हूं, जिसे काम और पैसे चाहिए. मैं कभी नहीं कह सकती कि मुझे ब्रेक चाहिए, मुझे लाइफ में कभी भी ब्रेक की जरूरत नहीं पड़ेगी. मुझे हमेशा ही काम करना पसंद है. निया शर्मा ने अपने टीवी शो के दम पर ही उचाईयों को छुआ है. इसलिए उन्हें पता है कि इस इंडस्ट्री में कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.निया शर्मा ने इंडस्ट्री के बारे में बताते हुए कहा कि मैं अभी अच्छे प्रोजेक्ट के इंतजार में हूं और मैंने हमेशा से ही अच्छे प्रोजेक्ट्स पर काम किया है. फिर भले ही मुझे इसके लिए इंतजार करना पड़े. हां, कभी वे इंतजार 6 महीने, कभी सालों तो कभी चार साल का भी हो जाता है. लेकिन मैं तभी काम करूंगी जब मुझे कोई अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा।

सेवा संकल्प ज्योति कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, पूरे जिले से जुटे नागरिक और जनप्रतिनिधि

केश शिल्पी बोर्ड गौरीशंकर श्रीवास, मंत्री दयालदास बघेल, विधायक दीपेश साहू एवं ईश्वर साहू ने हरी झंडी दिखाकर रथ को किया रवाना

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सेवा, समर्पण और राष्ट्रभावना का अद्भुत संगम आज बेमेतरा जिले में देखने को मिला, जब सेवा संकल्प ज्योति कलश यात्रा के शुभारंभ अवसर पर जिले भर से हजारों नागरिक, जनप्रतिनिधि, युवा, महिलाएं एक साथ एक मंच पर एकत्र हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित इस यात्रा का शुभारंभ अत्यंत भव्य और गरिमामय वातावरण में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केश शिल्पी बोर्ड के अध्यक्ष गौरीशंकर श्रीवास, सहित प्रदेश के खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ कंतेली स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम से सेवा संकल्प ज्योति कलश रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरी झंडी दिखते ही पूरा स्टेडियम भारत माता की जय और सेवा ही संकल्प है के नारों से गूंज उठा। तिरंगा झंडों और फूल-मालाओं के साथ रथ को जिले की यात्रा पर रवाना किया गया।

इस अवसर पर श्री श्रीवास एवं मंत्री श्री बघेल सहित जनप्रतिनिधियों ने ज्योति कलश की आरती कर और दीप प्रज्वलित कर यात्रा की सफलता की कामना की। रथ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा यात्रा, उनके प्रमुख निर्णयों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विश्व पटल पर भारत के बढ़ते मान को प्रदर्शित करने वाली आकर्षक झांकियां लगाई गई थीं।

चारों ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंचेगी सेवा की ज्योति : सेवा ज्योति कलश रथ कंतेली स्टेडियम से रवाना होकर बेमेतरा, बेरला, नवागढ़ और साजा सहित जिले के चारों विकासखंड मुख्यालयों तक पहुंचेगा। यात्रा के दौरान प्रत्येक ब्लॉक में सेवा संकल्प सभाओं, स्वच्छता अभियान, एक पेड़ माँ के नाम, और विकसित भारत/2047 संकल्प कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। रथ के साथ चल रहे प्रचार वाहन के माध्यम से लोगों को केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। यात्रा का उद्देश्य प्रधानमंत्री जी के सेवा



ही संगठन के मंत्र को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाना और नागरिकों में सेवा भावना को जागृत करना है।

सेवा रथ पर प्रदर्शित हुआ 25 वर्षों का सेवा-कृतित्व : इस विशेष सेवा ज्योति कलश रथ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के कृतित्व को बखूबी दर्शाया गया है। रथ पर आकर्षक चित्रों और संदेशों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। रथ के मध्य में रखा गया प्रज्वलित ज्योति कलश इस बात का प्रतीक है कि सेवा की यह ज्योति कभी बुझनी नहीं चाहिए। यह ज्योति हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में एक नए युग की नींव रखी: गौरी शंकर

गौरीशंकर श्रीवास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश में एक नए युग की नींव रखी है, जिसमें गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और सामाजिक क्षेत्र में हो रहे कार्यों से विकास की नई संभावनाएं सामने आई हैं।

प्रधानमंत्री ने विश्व में बढ़ाया भारत का मान - खाद्य मंत्री दयालदास बघेल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में यह सिद्ध किया है कि सच्ची राजनीति सेवा का ही दूसरा नाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्व में भारत का मान बढ़ाने का काम किया है। आज भारत की बात पूरी दुनिया गंभीरता से सुनती है, यह मोदी जी के नेतृत्व की ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी नेतृत्व में देश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। चाहे सड़क हो, बिजली हो, पानी हो, गरीबों का आवास हो या किसानों का सम्मान, हर क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। सेवा संकल्प के 25 वर्ष केवल एक संख्या नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। यह ज्योति कलश यात्रा उसी कहानी को हर गांव तक ले जाएगी।

विधायकों ने कहा - सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सेवा ज्योति कलश यात्रा युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव जगाएगी। प्रधानमंत्री ने हमें सिखाया है कि पद नहीं, सेवा बड़ी होती है। वहीं साजा विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि यह यात्रा बेमेतरा जिले को सेवा और विकास के नए संकल्प से जोड़ेगी।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी,नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिंहा,सभी जनपद के अध्यक्षगण, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम परिसर में देशभक्ति गीतों और सेवा संकल्प के नारों की गूंज बनी रही।

खास खबर

क्वांर नवरात्रि पर डोंगरगढ़ में आयोजित मेला में स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में हुई बैठक



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निदेशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने क्वांर नवरात्रि पर माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में आयोजित मेला में श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निजी अस्पताल संचालकों एवं चिकित्सकों की बैठक ली।

सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने 11 से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में क्वांर नवरात्रि मेला के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू एवं प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में मेले के दौरान चिकित्सकीय दलों के गठन, चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी, एम्बुलेंस की उपलब्धता तथा आकस्मिक चिकित्सा सेवाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निजी अस्पताल संचालकों को मेला के दौरान स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने कहा गया।

बैठक में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों के पालन, प्रधानमंत्री राहत योजना एवं आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में निजी अस्पतालों को नर्सिंग होम गाइडलाइन एवं शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुरूप अस्पतालों का संचालन करने, आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं एवं मानव संसाधन उपलब्ध रखने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने कहा गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन सहित अन्य अधिकारी, निजी अस्पताल संचालक एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बालिकाओं को लगाया जा रहा एचपीवी वैक्सीन



राजनांदगांव। जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पात्र बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। जिले में एचपीवी टीकाकरण के लिए 10577 पात्र बालिकाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके विरूद्ध अब तक 8315 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा चुकी है एवं 2262 पात्र बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण शेष है। एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर सहित कुछ अन्य गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण बन सकता है। किशोरावस्था में निर्धारित समय पर एचपीवी वैक्सीन लगवाने से भविष्य में एचपीवी संक्रमण से होने वाले कैंसर के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं के अभिभावकों से सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए अपनी बालिका का एचपीवी टीकाकरण करवाने की अपील की गई है। टीकाकरण के लिए जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पताल में निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है।

हिंसा की जगह विकास, भय की जगह विश्वास व बंदूक की जगह शिक्षा व रोजगार- विजय शर्मा

हजारों नागरिकों ने सेवा, संकल्प और जनभागीदारी के साथ दिया विकसित भारत-2047 का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज कबीरधाम जिले में भव्य सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती मोना सेन सहित जनप्रतिनिधियों और हजारों नागरिकों ने यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सेवा ज्योति यात्रा से पूर्व शासकीय पीजी कॉलेज के डोम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश नवीन के संबोधन को उपस्थित नागरिकों ने सुना। इसके बाद सेवा ज्योति यात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए सेवा ज्योति चौक पहुंची। यात्रा में सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित बड़ी संख्या में जिलेवासियों ने भाग लेकर सेवा, जनभागीदारी और विकसित भारत-2047 के संकल्प का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और 7 अक्टूबर 2026 को सरकार के मुखिया के रूप में उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन 25 वर्षों की यात्रा सेवा, सुशासन, संकल्प और देश को आगे ले जाने की यात्रा रही है।

श्री शर्मा ने कहा कि संकल्प लेना बड़ी बात है, लेकिन उसे धरातल पर उतारना उससे भी बड़ी बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत-2047 का संकल्प देश के सामने रखा है। वर्ष 2047 में जब भारत विकसित राष्ट्र बने, तब हमारा छत्तीसगढ़ विकसित छत्तीसगढ़, कबीरधाम विकसित कबीरधाम और कवर्धा विकसित कवर्धा बने, यह हम सभी का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बड़ा हो सकता है और रास्ता कठिन हो सकता है, लेकिन संकल्प मजबूत हो तो मंजिल हासिल की जा सकती है। सेवा ज्योति यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जिले के विकास, सेवा और जनभागीदारी का संकल्प है। जब संकल्प बड़ा हो, नीयत स्पष्ट हो और 140 करोड़ देशवासियों की शक्ति साथ हो तो लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, हम जरूर करबो।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि पिछले वर्षों में देश ने राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं। आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने भारत के सामर्थ्य का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करने तथा अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा जैसी घटनाएं देश के सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण रही हैं।

उन्होंने छत्तीसगढ़ के संदर्भ में कहा कि हमारा संकल्प स्पष्ट है कि हिंसा की जगह विकास पहुंचे, भय की जगह विश्वास पहुंचे और बंदूक की जगह शिक्षा, रोजगार और अवसर पहुंचे। यही विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा है। विकसित भारत-2047 केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प है। कवर्धा, कबीरधाम और छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

सेवा को उत्सव और उत्सव को सेवा का माध्यम बनाएं – विधायक बोहरा

पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की यात्रा के प्रतीक हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सेवा और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा को उत्सव बनाइए और उत्सव को सेवा का माध्यम बनाइए, यही इस अभियान की मूल भावना है। श्रीमती बोहरा ने कहा कि सेवा सेतु, स्वच्छता अभियान, रंगोली सहित विभिन्न गतिविधियों में जिले के नागरिक उत्साह से भाग ले रहे हैं। विकसित भारत-2047 के संकल्प में कवर्धा और छत्तीसगढ़ की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने नागरिकों से इस संकल्प में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

जनसेवा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी – मोना सेन

फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती मोना सेन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों तक सुविधाएं पहुंचा रही हैं। आवास, राशन, शौचालय, आयुष्मान भारत सहित विभिन्न योजनाओं से बड़ी संख्या में परिवार लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा योजनाएं बनाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उनका लाभ सही हितग्राही और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रमों का आयोजन नहीं, बल्कि समाज से जुड़ना, जरूरतमंदों तक पहुंचना और जनसेवा को मजबूत करना है।

जिला अध्यक्ष राजेंद्र चन्द्रवंशी ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा काल और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख करते हुए नागरिकों से सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने हम करेंगे — वी विल डू इट के संकल्प के साथ विकसित भारत-2047 के निर्माण में अपनी सहभागिता का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, जयंती पटेल, मोतीराम चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, राज्य पुलिस प्राधिकरण के सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गणपत बघेल, उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती नंदनी साहू, जनपद अध्यक्ष बोडला श्रीमती बालका रामकिंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने साजा, देवकर व परपोड़ी का किया सघन निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

गिरदावरी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं – पटवारियों को सख्त निर्देश, देवकर तहसील में राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर जोर



कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर राजस्व, प्रशासनिक एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने साजा में गिरदावरी कार्य, देवकर में तहसील कार्यालय एवं परपोड़ी में नव निर्मित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण की।

कलेक्टर ने साजा में चल रहे खरीफ गिरदावरी कार्य का जायजा लिया। उन्होंने खेतों में उपस्थित पटवारियों से गिरदावरी रिपोर्ट, फसल की स्थिति, बोए गए रकबे एवं डिजिटल एंट्री के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गिरदावरी कार्य को अत्यंत गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए। यह कार्य किसानों के हित से सीधे जुड़ा है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि न हो। मौके पर जाकर फसल का सत्यापन करें और किसानों से चर्चा कर सही जानकारी दर्ज करें, ताकि फसल बीमा, मुआवजा एवं अन्य शासकीय योजनाओं में किसानों को लाभ मिल सके।

इसके पश्चात कलेक्टर ने देवकर तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र एवं राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। कलेक्टर ने तहसीलदार एवं राजस्व अमले को निर्देशित किया कि आम नागरिकों से जुड़े राजस्व मामलों का निराकरण समय-सीमा में एवं प्राथमिकता से किया जाए। कार्यालय में आने वाले ग्रामीणों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना जाए और अनावश्यक रूप से उन्हें चक्कर न लगाना पड़े। सभी अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए।

परपोड़ी में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण

कलेक्टर ने ग्राम परपोड़ी में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केन्द्र भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं उपयोग की जा रही सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केन्द्र के शेष कार्य को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। यह केन्द्र बच्चों और माताओं के पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ा है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की कमी न रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम साजा, तहसीलदार एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान विद्या दान-शिक्षा सहयोग के तहत प्राथमिक विद्यालय पुत्तरगोदी कला में बच्चों को पढ़ाया

राजमिस्त्री प्रशिक्षणार्थियों ने किया श्रमदान और शिक्षा दान

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित विद्या दान-शिक्षा सहयोग कार्यक्रम के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मानपुर द्वारा सामाजिक सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत पुत्तरगोदी कला, ब्लॉक मोहला में संचालित राजमिस्त्री प्रशिक्षण के 23वें दिवस पर प्रशिक्षणार्थियों ने शिक्षा दान के साथ श्रमदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निर्देशानुसार प्रशिक्षक झामेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण में शामिल 30 प्रतिभागी प्राथमिक विद्यालय पुत्तरगोदी कला पहुँचे। यहां प्रशिक्षणार्थियों ने विद्यार्थियों की कक्षा लेकर उन्हें अध्ययन कराया। बच्चों को रोचक कहानियों एवं सरल तरीके से विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई, जिससे विद्यार्थियों में सीखने के प्रति उत्साह देखने को मिला। इसके साथ ही प्रशिक्षणार्थियों ने विद्यालय परिसर में चल रहे निर्माण कार्य में कार्यरत राजमिस्त्रियों के साथ श्रमदान करते हुए सहयोग किया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षक के दौरान सीखे गए राजमिस्त्री कौशल को व्यावहारिक रूप से समझने और उसका उपयोग करने का अवसर भी मिला।



कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं विद्यालय परिवार ने प्रशिक्षणार्थियों के सेवा भाव की सराहना की। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रतिभागियों को सामाजिक सेवा, शिक्षा सहयोग और सामुदायिक सहभागिता के लिए भी निरंतर प्रेरित किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों ने कौशल के साथ सेवा का संदेश देते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती : दावा आपत्ति 19 अक्टूबर तक आमंत्रित

राजनांदगांव। एकीकृत बाल विकास परियोजना राजनांदगांव ग्रामीण 01 अंतर्गत ग्राम धीरी के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 02 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की पूर्ति के लिए प्राप्त ऑनलाईन आवेदन पत्रों का प्रथम मूल्यांकन कर अनंतिम वरिष्ठता सूची जारी की गई है। जारी सूची के संबंध में 19 अक्टूबर 2026 तक सुसंगत दस्तावेजों व अभिलेखों के साथ ई-भर्ती पोर्टल http:/awww.e-bharti.in पर ऑनलाईन माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

रबी फसलों की एमएसपी में वृद्धि से किसानों में उत्साह
दलहन-तिलहन का रकबा बढ़ाने मिलेगा प्रोत्साहन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

केन्द्र सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2027-28 के लिए प्रमुख रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि किए जाने से किसानों में उत्साह है। केन्द्र सरकार द्वारा कुसुम, सरसों, मसूर, जौ, चना एवं गेहूं सहित सभी 6 अनिवार्य रबी फसलों के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। जारी नए समर्थन मूल्य के अनुसार कुसुम का एमएसपी 6540 रूपए से बढ़ाकर 7215 रूपए प्रति क्विंटल, सरसों का एमएसपी 6200 रूपए से बढ़ाकर 6613 रूपए प्रति क्विंटल, मसूर का एमएसपी 7000 रूपए से बढ़ाकर 7390 रूपए प्रति क्विंटल, जौ का एमएसपी 2150 रूपए से बढ़ाकर 2286 रूपए प्रति क्विंटल, चना का एमएसपी 5875 रूपए से बढ़ाकर 5958 रूपए प्रति क्विंटल तथा गेहूं का एमएसपी 2585 रूपए से बढ़ाकर 2610 रूपए प्रति क्विंटल किया गया है। इनमें कुसुम के समर्थन मूल्य में 675 रूपए प्रति क्विंटल, सरसों में 413 रूपए प्रति क्विंटल और मसूर में 390 रूपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है।

रबी सीजन 2026-27 में किसानों को दलहन एवं तिलहन फसलों की ओर प्रोत्साहित करने के साथ-साथ पीएम-आशा योजना के माध्यम से उपज की समर्थन मूल्य पर बिक्री की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। एमएसपी में वृद्धि और समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था से दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती के प्रति किसानों का रूझान बढ़ेगा। इससे किसान धान पर निर्भरता कम करते हुए सरसों, मसूर, चना सहित अन्य दलहन-तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। जिले में किसान भी फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। धान के स्थान पर दलहन एवं तिलहन फसलों को अपनाकर किसान रबी सीजन में वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ रहे हैं।

इसी क्रम में छुरिया विकासखंड के ग्राम गेरूघाट के कृषक श्री लखन सुकालु गोंड 2 हेक्टेयर रकबे में सरसों फसल की खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि सरसों के समर्थन मूल्य में वृद्धि होने से उनका संबल बढ़ा है और सरसों की खेती के प्रति उनका उत्साह बढ़ा है। इसी प्रकार ग्राम कान्हारपुरी के कृषक गणेश जोशी धान के स्थान पर 1 हेक्टेयर रकबे में सरसों फसल की खेती करते हैं। उन्होंने भी समर्थन मूल्य में वृद्धि के लिए शासन के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

गरबा आयोजनों को लेकर DCP सेंट्रल ने ली आयोजकों की बैठक, दिए सख्त निर्देश

शर्तों के उल्लंघन या शांति व्यवस्था प्रभावित होने पर अनुमति निरस्त कर होगी वैधानिक कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



नवरात्रि में गरबा आयोजनों के सुरक्षित और शांतिपूर्ण संचालन के लिए रायपुर कमिश्नरेट के मध्य जोन DCP तारकेश्वर पटेल ने आज अपने कार्यालय में गरबा आयोजकों की अहम बैठक ली। बैठक में DCP सेंट्रल ने सभी आयोजकों को पुलिस द्वारा जारी अनुमति पत्र की शर्तों और दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए।

DCP ने स्पष्ट किया कि आयोजन के दौरान कम से कम दो जिम्मेदार पदाधिकारी स्थल पर मौजूद रहकर निरंतर निगरानी करेंगे। किसी भी अप्रिय घटना, भगदड़, आगजनी या कानून-व्यवस्था बिगड़ने पर तत्काल पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को सूचना देनी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि शर्तों के उल्लंघन या शांति व्यवस्था प्रभावित होने पर अनुमति निरस्त कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी आयोजकों ने निर्देशों का पूर्ण पालन करने और पुलिस-प्रशासन को सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पुलिस ने दिए ये प्रमुख निर्देश

1. साउंड और समय का पालन: ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित समय और ध्वनि प्रदूषण के मानकों के भीतर ही करना होगा। आयोजन तय स्थान और तय समय-सीमा में ही होगा।

2. सुरक्षा व्यवस्था: प्रवेश-निकास और इमरजेंसी गेट सुचारू रखने, पर्याप्त CCTV कैमरे और रिकॉर्डिंग की व्यवस्था, पुरुष और महिला वालंटियर/सुरक्षा गार्ड तैनात करने और उनका विवरण संबंधित थाने में जमा करने के निर्देश।

3. भीड़ और पार्किंग नियंत्रण: आयोजन स्थल पर क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश नहीं देना, पार्किंग की समुचित व्यवस्था और सार्वजनिक मार्ग व यातायात बाधित न होने देना।

4. सुरक्षा उपकरण: अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक चिकित्सा किट अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश।

5. प्रतिबंध: आयोजन स्थल पर हथियार, ज्वलनशील पदार्थ, मादक पदार्थ या अन्य प्रतिबंधित सामग्री का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

6. मयार्दा बनाए रखें: किसी भी प्रकार की अश्लील, आपत्तिजनक, भड़काऊ या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली प्रस्तुति नहीं होगी।

क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश नहीं

बैठक में आयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि गरबा स्थल की निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश न दिया जाए। आयोजन स्थल पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। इसके साथ ही सार्वजनिक मार्गों और यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। पुलिस ने आयोजकों को भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

अश्लील और भड़काऊ प्रस्तुतियों पर रोक

डीसीपी तारकेश्वर पटेल ने निर्देश दिया कि गरबा कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की अश्लील, आपत्तिजनक या भड़काऊ गतिविधि नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा ऐसी किसी प्रस्तुति या गतिविधि की अनुमति नहीं होगी, जिससे साप्रदायिक सद्भाव प्रभावित होने की आशंका हो। आयोजकों को पुलिस और प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करना होगा। डीसीपी ने आयोजकों को निर्देश दिया कि प्रत्येक गरबा कार्यक्रम के दौरान कम से कम दो जिम्मेदार पदाधिकारी आयोजन स्थल पर मौजूद रहें। इन पदाधिकारियों को कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करनी होगी। किसी अप्रिय घटना, दुर्घटना, भगदड़, आगजनी या कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्या होने पर तत्काल पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को सूचना देनी होगी।

मुंगेली पुलिस की पहल : बिहान दीदियां अब बनीं "साइबर दीदी", हर घर तक पहुंचाएंगी साइबर सुरक्षा का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में जिला पुलिस ने साइबर जागरूकता के लिए अनोखी पहल शुरू की है। जिला पंचायत सीईओ गोकुल राम रावटे के सहयोग से जिला पंचायत सभाकक्ष में "पहल" कार्यक्रम के तहत बिहान दीदियों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी गई और उन्हें "साइबर दीदी" बनाया गया।

कार्यक्रम में महिलाओं को डब्ठ, पिन, पासवर्ड साझा न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, अनजान दफकोड स्कैन न करने, फर्जी ड उ, वद्कक ठगी, डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी से बचने के उपाय बताए गए। बताया गया कि ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करें।

SSP भोजराम पटेल ने कहा कि बिहान दीदियां गांव में आजीविका की मजबूत कड़ी हैं, वैसे ही अब वे "हर गांव-हर घर" साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाएंगी।

प्रदेश में मुंगेली 5वें स्थान पर

छत्तीसगढ़ के साइबर जागृति अभियान में मुंगेली जिले ने प्रभावी कार्य कर प्रदेश में 5वां स्थान हासिल किया। इस पर SSP ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, उप संचालक शिवानी सिंह सहित अधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

9वीं के छात्र से मारपीट का आरोप, प्राचार्य के खिलाफ अपराध दर्ज

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में सरस्वती शिशु मंदिर चंद्रपुर में कक्षा नौवीं के छात्र के साथ कथित मारपीट के आरोप में विद्यालय के प्राचार्य जगन्नाथ नायक के खिलाफ चंद्रपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। छात्र के परिजनों ने आरोप लगाया है कि प्राचार्य ने छात्र के साथ गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट की और उसके बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया। इस घटना में छात्र के सिर, पीठ और बाएं घुटने में चोट आने की बात कही गई है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम तिलाईपाली निवासी शशिभूषण गुप्ता का पुत्र क्षत्रपति गुप्ता चंद्रपुर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में कक्षा नौवीं का छात्र है। वह विद्यालय के छात्रावास में रहकर पढ़ाई करता है।

डीजीपी अरुण देव गौतम का खैरागढ़ प्रवास, एसपी कार्यालय और नवीन पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़



छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम आज एक दिवसीय दौरे पर जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पहुंचे। उनके साथ IG राजनांदगांव रेंज अजय कुमार यादव और रद्द लक्ष्य शर्मा मौजूद रहे।

DGP ने सबसे पहले SP कार्यालय का निरीक्षण किया। DSB, वेतन, फंड, स्थापना, डट और SRC शाखाओं के रिकॉर्ड और कार्यप्रणाली की समीक्षा कर पारदर्शिता और समयबद्धता के निर्देश दिए। इसके बाद जिला साइबर लैब का निरीक्षण कर तकनीकी संसाधनों और डिजिटल साक्ष्य विश्लेषण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने थानों में संचालित ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल पुलिसिंग की समीक्षा की और साइबर अपराध रोकथाम में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर दिया।

DGP ने जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, एडिशनल SP, SDOP से लंबित अपराधों, शिकायतों और कानून-व्यवस्था की जानकारी ली और त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने निमार्णाधीन नवीन जिला पुलिस लाइन का दौरा किया, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय पर पूर्णता के निर्देश दिए और परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इसके बाद वे इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शामिल हुए।

पॉक्सो और हत्या के जघन्य मामले में मृत्युदंड दिलाने वाली विशेष लोक अभियोजक का किया गया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना मोहननगर के चर्चित पॉक्सो एवं हत्या/बलात्कार के गंभीर प्रकरण में आरोपी को मृत्युदंड की सजा दिलाने वाली विशेष लोक अभियोजक श्रीमती रूपवर्षा दिल्लीवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

थाना मोहननगर के अपराध क्रमांक 133/2025 में आरोपी सोमेश यादव को अपर सत्र न्यायाधीश, चतुर्थ पॉक्सो कोर्ट दुर्ग ने 10 सितंबर 2026 को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी।

विशेष लोक अभियोजक रूपवर्षा दिल्लीवार ने इस प्रकरण में प्रभावी पैरवी करते हुए 29 गवाहों के साक्ष्य और 114 महत्वपूर्ण दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। उनके तर्कों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया।

न्यायालय का फैसला –

- धारा 6 पॉक्सो एक्ट – मृत्युदंड + 5,000 रु. जुमार्ना
- धारा 103(1) BNS – मृत्युदंड + 5,000 रु. जुमार्ना
- धारा 238(क) BNS – 5 साल सश्रम कारावास + 1,000 रु. जुमार्ना



इस मामले की विवेचना में उनि पारस सिंह ठाकुर एवं निरीक्षक शिव प्रसाद चंद्रा की अहम भूमिका रही। SSP दुर्ग ने विशेष लोक अभियोजक के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में प्रभावी अभियोजन से न्याय व्यवस्था पर जनता का विश्वास मजबूत होता है।

म्यूल अकाउंट का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में साइबर ठगी के लिए म्यूल बैंक खातों का इस्तेमाल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। साइबर ठगों को अपने बैंक खाते उपलब्ध कराकर धोखाधड़ी की रकम का लेन-देन करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अलग-अलग बैंकों में अपने नाम से खाते खुलवाकर उनकी पासबुक और एटीएम कार्ड दूसरे लोगों को उपलब्ध कराते थे। इसके बदले उन्हें कमीशन मिलता था। पुलिस ने इस मामले में 2 लाख 37 हजार 820 रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता लगाया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी के कब्जे से चार बैंक पासबुक और पांच एटीएम कार्ड जब्त किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, बेमेतरा सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि पंजाब नेशनल बैंक के कुछ संदिग्ध खातों का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त रकम के लेन-देन के लिए किया जा रहा है। इन खातों को म्यूल अकाउंट के रूप में उपयोग किए जाने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

केसीजी : श्री सीमेंट फैक्ट्री के विरोध में किसानों के साथ खड़ा होगा भारतीय किसान संघ



नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले में प्रस्तावित श्री सीमेंट फैक्ट्री के विरोध में भारतीय किसान संघ, KCG ने किसानों का साथ देने का ऐलान किया है। ग्राम बिचारपुर में फैक्ट्री प्रस्तावित है, जहाँ संघ के पदाधिकारियों ने प्रभावित किसानों के साथ बैठक की। किसानों ने बताया कि फैक्ट्री से लगभग 55 गांव विस्थापित होंगे, हजारों एकड़ कृषि भूमि, आजीविका और गांव उजड़ जाएंगे।

बैठक के बाद भारतीय किसान संघ ने कहा – विकास के नाम पर किसानों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी। 55 गांवों को उजाड़कर किया जाने वाला विकास किसानों के हित में नहीं है। संघ ने भरोसा दिलाया कि बिना किसानों की सहमति, उनकी भूमि और भविष्य को ध्यान में रखे बिना लिए गए किसी भी फैसले का मजबूती से विरोध किया जाएगा। जल्द ही आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

बैठक में प्रदेश महिला प्रमुख अदिति कश्यप, प्रदेश मीडिया प्रभारी संजय साहू, जिला अध्यक्ष हर्ष दशरिया, मंत्री शिवनंदन जंघेल, जिला महिला प्रमुख पदमा वर्मा, पूर्व विधायक गिरवर जंघेल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सुकमा में विस्फोटक नष्ट करने के दौरान हादसा CRPF के 4 जवान घायल, दो की हालत गंभीर

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा



जिले के थाना भेज्जी अंतर्गत एलारमडगु कैंप के पास विस्फोटक विनष्टीकरण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। अनसर्विसेबल बमों को नष्ट करते समय एक विस्फोटक का टुकड़ा उड़कर जवानों के पास गिरा और ब्लास्ट हो गया। इसमें CRPF के 4 जवान घायल हो गए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक CRPF की कोन्टा रेंज के विभिन्न कैंपों पिड्डमेल, डब्बाकोंटा, कोलाईगुड़ा और एलारमडगु में रखे अनसर्विसेबल विस्फोटकों को नष्ट करने के लिए जगदलपुर से एम्युनिशन टेक्नीशियन टीम (ATT) 50वीं वाहिनी के एलारमडगु कैंप पहुंची थी। कैंप से करीब 200 मीटर दूर बोदराजपदर नाला के पास सुरक्षा मानकों के तहत विनष्टीकरण की प्रक्रिया चल रही थी, तभी यह दुर्घटना हुई।

घायल जवान में अरकएम. के. तिवारी (ATT टीम) – गंभीर, आ. अनीश खान (50वीं वाहिनी) – गंभीर, निरीक्षक अमरनाथ मिश्रा (ATT टीम) – सामान्य, प्रधान आरक्षक कुलदीप राज (50वीं वाहिनी) – सामान्य

सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देकर शासकीय अस्पताल कोन्टा भेजा गया है। गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर करने की तैयारी है। पुलिस ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100